Shreemad Bhagawad Geeta: श्रीमद् - भगवद् - गीता

अथ विश्वरुपदर्शनयोगः नाम एकादशोऽध्यायः॥

अर्जुन उवाच।

मद् - अनुग्रहाय परमम् गुह्यम् अध्यात्म सञ्ज्ञितम् ।

यत् त्वया उक्तम् वचः तेन मोह अयम् विगतः मम ॥ ११ - १ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अर्जुन	Arjuna	Arjuna	अर्जुन ने	अर्जुन
उवाच	Uvaacha	said	कहा	म्हणाला
मदनुग्रहाय	Mad-anugrahaaya	out of compassion for me	मुझपर कृपा करने के लिये	माझ्यावर कृपा करण्यासाठी
परमम्	Paramam	supreme	परम	परम
गुह्यम्	Guhyam	secret	गोपनीय	गोपनीय
अध्यात्म	Adhyaatma	knowledge of Self	अध्यात्म	अध्यात्म
सञ्ज्ञितम्	Samdnitam	known as	विषयक	विषयक
यत्	Yat	which	जो	जे
त्वया	Tvayaa	by You	आप ने	आपण
उक्तम्	Uktam	spoken	कहा	(मला) सांगितला
वचः	VachaH	word	वचन अर्थात् उपदेश	उपदेश
तेन	Tena	by that	उस से	त्या योगाने
मोह	Moha	delusion	अज्ञान	अज्ञान
अयम्	Ayam	this	यह	हे
विगतः	VigataH	dispelled	नष्ट हो गया है	नष्ट झाले आहे
मम	Mama	my	मेरा	माझे

अन्वय :-

अर्जुन उवाच - त्वया मदनुग्रहाय अध्यात्म - सञ्ज्ञितम् यत् परमम् गुह्यम् वचः उक्तम् , तेन मम अयम् मोह विगतः ॥ ११ - १ ॥

English translation:-

By this profound discourse concerning the knowledge of the Self, which you have delivered out of compassion for me, my delusion has been dispelled.

हिन्दी अनुवाद :- अर्जुन ने कहा , " मुझपर अनुग्रह तथा कृपा करने के लिये आप ने जो परम गोपनीय अध्यात्मविषयक वचन अर्थात् उपदेश कहा उस से मेरा यह अज्ञान नष्ट हो गया है ।"

मराठी भाषान्तर :-

अर्जुन म्हणाला , " माझ्यावर कृपा करण्यासाठी , आपण जो अत्यंत महत्वपूर्ण आणि सखोल अध्यात्म - विषयक उपदेश मला केला ; त्याने माझे हे अज्ञान नाहीसे झाले आहे ."

विनोबांची गीताई :-

करुनि करुणा माझी बोलिलास रहस्य ज़ें

त्या थोर आत्म - विद्येनें माझा हा मोह फेडिला ॥ ११ - १ ॥

भवाप्ययौ हि भूतानाम् श्रुतौ विस्तरशः मया ।

त्वत्तः कमलपत्राक्ष माहात्म्यम् अपि च अव्ययम् ॥ ११ - २ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
भवाप्ययौ	Bhavaapyayau	origin and dissolution	उत्पति और प्रलय	उत्पत्ती आणि विनाश
हि	Hi	verily	भी	कारण
भूतानाम्	Bhutanam	of beings	भूतों कि	प्राणिमात्रांची
श्रुतौ	Shrutau	have been heard	सुने हैं	ऐकले आहे
विस्तरशः	VistarashaH	in detail	विस्तारपूर्वक	विस्तारपूर्वक
मया	Mayaa	by me	मैंने	मी
त्वत्तः	TvattaH	from You	आप से	आपणाकडून
कमलपत्राक्ष	Kamala-patraaksha	O Lotus eyed!	हे कमलनेत्र !	हे कमलनेत्रा !
माहात्म्यम्	Maahaatmyam	greatness	आप की महिमा सुनी है	महिमा (ऐकला आहे)
अपि	Api	also	भी	सुद्धा
च	Cha	and	तथा	तसेच
अव्ययम्	Avyayam	inexhaustible	अविनाशी	(आपला) अविनाशी

अन्वय :-

हे कमलपत्राक्ष ! भूतानाम् भवाप्ययौ मया त्वत्तः विस्तरशः श्रुतौ हि , अव्ययम् , माहात्म्यम् अपि च (श्रुतम्) ॥ ११ - २ ॥

English translation:-

O Lotus eyed, the origin and dissolution of beings verily has been verily heard by me in detail from you and also Your inexhaustible greatness.

हिन्दी अनुवाद :- क्यों कि हे कमलनेत्र ! मैं ने आप से भूतों कि उत्पति और प्रलय विस्तारपूर्वक सुने हैं ; तथा आप की अविनाशी महिमा भी सुनी है ।

मराठी भाषान्तर :-

हे कमलनयना श्रीकृष्णा ! प्राणिमात्रांची उत्पत्ती आणि त्यांचा नाश याविषयी मी आपल्याकडून विस्तारपूर्वक ऐकले आहे ; तसेच आपला अविनाशी महिमाही ऐकला आहे .

विनोबांची गीताई :-

उत्पत्ति - नाश भूतांचे ऐकिले मीं सविस्तर

कळला तुजपासूनि अभंग महिमा तुझा ॥ ११ - २ ॥

एवम् एतत् यथा आत्थ त्वम् आत्मानम् परमेश्वर ।

द्रष्टुम् इच्छामि ते रूपम् ऐश्वरम् पुरुषोत्तम ॥ ११ - ३ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
एवम्	Evam	thus	मुझे तो मान्य तथा मंजुर है	असे
एतत्	Etat	this	यह आप का कहना	हे (सर्व सत्य आहे)
यथा	Yathaa	as	जैसा	जसे
आत्थ	Aattha	declared	कहते हैं	सांगत आहात
त्वम्	Tvam	You	आप	आपण
आत्मानम्	Aatmaanam	Yourself	अपने को	स्वतःबद्दल
परमेश्वर	Parameshvara	O Supreme Lord	हे परमेश्वर !	हे परमेश्वरा !
द्रष्टुम्	Drashtum	to see	मैं प्रत्यक्ष	(प्रत्यक्ष) पाहण्याची
इच्छामि	Ichchhaami	I desire	देखना चाहता हूँ	माझी इच्छा आहे
ते	Te	Your	आप के	तुमच्या
रूपम्	Rupam	form	रुप को	रूपाला
ऐश्वरम्	Aishvaram	divine	ऐश्वर	ऐश्वर्यसंपन्न
पुरुषोत्तम	Purusha-Uttam	O best of men	किन्तु हे पुरुषोत्तम !	हे पुरुषोत्तमा !

अन्वय :-

हे परमेश्वर ! यथा एवम् त्वम् आत्मानम् आत्थ , एतत् , हे पुरुषोत्तम् ! ते ऐश्वरम् रूपम् द्रष्टुम् इच्छामि ॥ ११ - ३ ॥

English translation:-

O Supreme Lord, as You have described Yourself, I accept it to be so. Yet, I desire to see (actually) Your divine form, O best of men.

हिन्दी अनुवाद :-

हे परमेश्वर ! आप अपने को जैसा कहते हैं , यह आप का कहना मुझे तो मान्य तथा मंजुर है । किन्तु हे पुरुषोत्तम ! आप के ज्ञान , ऐश्वर्य , शक्ति, बल , वीर्य और तेज से युक्त ऐश्वर रुप को मैं प्रत्यक्ष देखना चाहता हूँ ।

मराठी भाषान्तर :-

हे परमेश्वरा ! आपण स्वतःविषयी जे सांगितले ते तसेच आहे . हे पुरुषोत्तमा ! आपले ते ईश्वरीय (ज्ञान , ऐश्वर्य , शक्ती , बल , वीर्य आणि तेजयुक्त) स्वरूप मला पाहण्याची इच्छा आहे .

विनोबांची गीताई :-

तुझें तें ईश्वरी रुप मानितों सांगसी ज़सें
तें चि मी इच्छितों पाहूं प्रत्यक्ष पुरुषोत्तमा ॥ ११ - ३ ॥

मन्यसे यदि तत् शक्यम् मया द्रष्टुम् इति प्रभो ।

योगेश्वर ततः मे त्वम् दर्शय आत्मानम् अव्ययम् ॥ ११ - ४ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
मन्यसे	Manyase	You think	आप मानते हैं	(आपणास) वाटत असेल
यदि	Yadi	if	यदि	जर
तत्	Tat	that	आप का वह रुप	ते (आपले रूप)
शक्यम्	Shakyam	possible	शक्य है	शक्य आहे
मया	Mayaa	by me	मेरे द्वारा	माझ्याकडून
द्रष्टुम्	Drashtum	to see	देखा जाना	पाहणे
इति	Iti	thus	ऐसा	असे
प्रभो	Prabho	O Lord	हे प्रभो !	हे प्रभो !
योगेश्वर	Yogeshvara	O Lord of Yoga	हे योगेश्वर !	हे योगेश्वरा !
ततः	TataH	then	तो	तर
मे	Me	to me	मुझे	मला
त्वम्	Tvam	You	आप	आपण
दर्शय	Darshaya	Show !	दर्शन कराइये !	दाखवावे !
आत्मानम्	Aatmaanam	Self	अप ने	आपले
अव्ययम्	Avyayam	imperishable	(उस) अविनाशी (स्वरूप का)	(ते) अविनाशी रूप

अन्वय :-

हे योगेश्वर प्रभो ! मया तत् द्रष्टुम् शक्यम् इति त्वम् यदि मन्यसे, ततः मे अव्ययम् आत्मानम् दर्शय ॥ ११ - ४ ॥

English translation:-

O Lord, if you think it is possible for me to see it, then please do show me Your eternal, imperishable Self, O Lord of Yoga.

हिन्दी अनुवाद :- हे प्रभो ! यदि मेरे द्वारा आप का वह रूप देखा जाना शक्य है, ऐसा आप मानते हैं तो हे योगेश्वर ! उस अविनाशी स्वरूप का आप मुझे दर्शन देने की कृपा कीजिये ।

मराठी भाषान्तर :-

हे प्रभो ! जर ते (ईश्वरीय) स्वरूप मला पाहणे शक्य आहे, असे आपणास वाटत असेल तर हे योगेश्वरा ! आपले अविनाशी आत्मस्वरूप मला दाखवा .

विनोबांची गीताई :-

तूं ज़री मानसी शक्य मज़ तें रुप पाहणें

तरी योगेश्वरा देवा दाखवीं तें चि शाश्वत ॥ ११ - ४ ॥

श्री भगवान् उवाच ।

पश्य मे पार्थ रूपाणि शतशः अथ सहस्त्रशः ।

नानाविधानि दिव्यानि नानावर्णाकृतीनि च ॥ ११ - ५ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
श्री भगवान्	Shree Bhagavaan	The Blessed Lord	श्री भगवान् ने	श्री भगवान
उवाच	Uvaacha	Said	कहा	म्हणाले
पश्य	Pashya	Behold !	देखो !	तू बघ !
मे	Me	My	मेरे	माझी
पार्थ	Paartha	O Arjuna!	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
रूपाणि	RupaaNi	forms	रूपोंको	रूपे
शतशः	ShatashaH	in hundreds	सैकडों	शेकडो
अथ	Atha	and	अब तुम	आता
सहस्त्रशः	SahasrashaH	in thousands	हजारों	हजारो
नानाविधानि	Naanaa-vidhaani	of different sorts	नाना प्रकार के	नाना प्रकारची
दिव्यानि	Divyaani	divine	अलौकिक	अलौकिक
नानावर्णाकृतीनि	Naanaa-VarNaakruteeni	of various colours and shapes	नाना वर्ण तथा नाना आकृतीवाले	नाना रंग आणि नाना आकारांची
च	Cha	and	और	आणि

अन्वय :-

श्री भगवान् उवाच - (हे) पार्थ ! मे नानाविधानि , नानावर्णाकृतीनि , दिव्यानि च शतशः अथ सहस्त्रशः रूपाणि पश्य ॥ ११ - ५ ॥

English translation:-

O Arjuna, behold in hundreds and in thousands My divine forms of different kinds and of various colours and shapes.

हिन्दी अनुवाद :-

श्री भगवान् ने कहा , " हे अर्जुन ! अब तुम मेरे सैकड़ों - हजारों नाना प्रकार के और नाना वर्ण तथा नाना आकृतिवाले अलौकिक रूपों को देखो ।

मराठी भाषान्तर :-

हे अर्जुना ! माझी अनेक प्रकारची , अनेक रंगांची व अनेक आकारांची शेकडोंच काय पण हजारों अलौकिक रूपे पहा .

विनोबांची गीताई :-

पहा दिव्य तशीं माझीं रुपें शत - सहस्त्र तूं

नाना प्रकार आकार वर्ण ज्यांत विचित्र चि ॥ ११ - ५ ॥

पश्य आदित्यान् वसून् रुद्रान् अश्विनौ मरुतः तथा ।

बहूनि अदृष्टपूर्वाणि पश्य आश्चर्याणि भारत ॥ ११ - ६ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
पश्य	Pashya	behold	मुझ में देखो	पहा
आदित्यान्	Aadityaan	Adityas	आदित्यों को अर्थात् अदिति के बारह पुत्रों को	अदितीचे बारा पुत्र
वसून्	Vasun	Vasus	आठ वसुओं को	आठ वसू
रुद्रान्	Rudraan	Rudras	ग्यारह रुद्रों को	अकरा रूद्र
अश्विनौ	Ashvinau	two Ashvins	दोनों अश्विनी कुमारों को	दोन अश्विनीकुमार
मरुतः	MarutaH	Maruts	उनचास मरुत् गणों को	एकोणपन्नास मरुतगण
तथा	Tathaa	also	और	तसेच (आणखी सुद्धा)
बहूनि	Bahuni	many	बहुत से	पुष्कळशी
अदृष्टपूर्वाणि	Adrusht-purvaaNi	never seen before	पहले न देखे हुए	पूर्वी न पाहिलेली
पश्य	Pashya	behold	मुझ में देखो	(माझ्या ठिकाणी) तू पहा
आश्चर्याणि	AashcharyaaNi	wonders	और भी आश्चर्यमय रूपों को	आश्चर्ययुक्त रूपे
भारत	Bhaarata	O Arjuna!	हे भरतवंशी अर्जुन !	हे भरतवंशी अर्जुना !

अन्वय :-

हे भारत ! आदित्यान् , वसून् , रुद्रान् , अश्विनौ , तथा मरुतः पश्य , अदृष्टपूर्वाणि बहूनि आश्चर्याणि (च) पश्य ॥ ११ - ६ ॥

English translation:-

O Arjuna, behold Aadityas, Vasus, two Ashvins and Maruts. Also behold many wonders never seen before.

हिन्दी अनुवाद :-

हे भरतवंशी अर्जुन ! तुम मुझ में आदित्यों को अर्थात् अदिति के बारह पुत्रों को , आठ वसुओं को , ग्यारह रुद्रों को , दोनों अश्विनीकुमारों को और उनचास मरुद् - गणों को देखो तथा और भी बहुत से पहले न देखे हुए आश्चर्यमय रुपों को देखो ।

मराठी भाषान्तर :-

हे भरतकुलोत्पन्ना अर्जुना ! हे पहा - बारा आदित्य , आठ वसू , अकरा रुद्र , दोन अश्विनी कुमार आणि एकोणपन्नास मरुतगण . त्यानंतर पूर्वी कधीही न पाहिलेली अनेक आश्चर्ये पहा .

विनोबांची गीताई :-

वसु वायु पहा रुद्र तसे आदित्य अश्विनी
पहा अनेक आश्चर्यें कोणीं न पाहिलीं ॥ ११ - ६ ॥

इह एकस्थम् जगत् कृत्स्नम् पश्य अद्य सचराचरम् ।

मम देहे गुडाकेश यत् च अन्यत् द्रष्टुम् इच्छसि ॥ ११ - ७ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
इह	Iha	here	इस	या
एकस्थम्	Ekastham	centred in one	एक जगह स्थित	एका जागी स्थित
जगत्	Jagat	world	जगत् को	जग
कृत्स्नम्	Krutsnam	whole	सम्पूर्ण	संपूर्ण
पश्य	Pashya	behold	देखो	(तू) पहा
अद्य	Adya	today	अब	आता
सचराचरम्	Sachara-acharam	the moving and unmoving	चर और अचर सहित	चराचरासहित
मम	Mama	My	मेरे	माझ्या
देहे	Dehe	in body	शरीर में	शरीरात
गुडाकेश	Gudakesha	O conqueror of sleep!	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
यत्	Yat	what	जो कुछ	जे (आणखी)
च	Cha	and	भी	सुद्धा
अन्यत्	Anyat	others	तथा और	दुसरे
द्रष्टुम्	Drashtum	to see	देखना	पाहण्याची (तुझी)
इच्छसि	Ichchhasi	you desire	चाहते हो सो देखो	इच्छा असेल (तेही तू पहा !)

अन्वय :-

हे गुडाकेश ! कृत्स्नम् सचराचरम् जगत् , यत् अन्यत् च द्रष्टुम् इच्छसि , (तत् अपि) इह मम देहे एकस्थम् अद्य पश्य ॥ ११ - ७ ॥

English translation:-

O conqueror of sleep, now behold here today the entire universe of the moving and the non-moving centred in one, in My body and whatever else you desire to see.

हिन्दी अनुवाद :-

हे अर्जुन ! अब इस मेरे शरीर में , एक जगह स्थित , चराचर सहित सम्पूर्ण जगत् को देखो तथा और भी जो कुछ देखना चाहते हो , सो देखो ।

मराठी भाषान्तर :-

हे अर्जुना ! आज येथे माझ्या देहात , एकत्र झालेले चराचर जग आणि आणखी जे काही तू पाहू इच्छितोस ते सर्व तू पहा .

विनोबांची गीताई :-

इथें आज पहा सारें विश्व तूं सचराचर

माझ्या देहांत एकत्र इच्छा - दर्शन हें तुज ॥ ११ - ७ ॥

न तु मां शक्यसे द्रष्टुम् अनेन एव स्वचक्षुषा ।

दिव्यम् ददामि ते चक्षुः पश्य मे योगम् ऐश्वरम् ॥ ११ - ८ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
न	Na	not	नहीं	नाहीस
तु	Tu	but	परन्तु	परंतु
मां	Maam	Me	मुझ को	मला
शक्यसे	Shakyase	you can	समर्थ हो	समर्थ
द्रष्टुम्	Drashtum	to see	देखने में	(तू मला) पाहण्यास
अनेन	Anena	by this	तुम इन	या
एव	Eva	verily	निःसंदेह	निश्चितपणे
स्वचक्षुषा	Sva-Chakshushaa	with your own eyes	अपने नैसर्गिक तथा प्राकृत नेत्रों द्वारा	आपल्या नेत्रांनी
दिव्यम्	Divyam	divine	दिव्य अर्थात् अलौकिक	दिव्य अर्थात अलौकिक
ददामि	Dadaami	I give	मैं प्रदान करता हूँ	(मी) देतो
ते	Te	to you	इसलिये तुम्हें	तुला
चक्षुः	ChakshuH	eye	नेत्र	दृष्टी
पश्य	Pashya	behold	जिस से तुम देख सकोगे	(तिच्या सहाय्याने आता तू) पहा
मे	Me	My	मेरी	माझी
योगम्	Yogam	yoga	योगशक्ति को	योगशक्ती
ऐश्वरम्	Aishvaram	supreme	ईश्वरीय	ईश्वरीय

अन्वय :-

अनेन एव स्वचक्षुषा तु त्वम् माम् द्रष्टुम् न शक्यसे, (अत एव) दिव्यम् चक्षुः ते ददामि, मे ऐश्वरम् योगम् पश्य ॥ ११ - ८ ॥

English translation:-

But if you cannot see Me with your own eyes, then I give you the divine sight. Now behold My supreme yoga / form.

हिन्दी अनुवाद :-

परन्तु तुम इन अपने प्राकृत नेत्रों से, मुझे सही रुपसे देखने में निःसंदेह समर्थ नहीं हो, यह मैं जानता हूँ। इसीलिये, मैं तुम्हें दिव्य अर्थात् अलौकिक चक्षु देता हूँ; अब तुम इनके जरिये मेरी ईश्वरीय योगशक्ति को देखो।

मराठी भाषान्तर :-

तू तुझ्या नेत्रांनी (अविनाशी आत्मस्वरूपातील) मला पाहूच शकणार नाहीस. म्हणून मी तुला दिव्य दृष्टी देतो. तिने तू माझे ईश्वरीय योगसामर्थ्य पहा.

विनोबांची गीताई :-

परी तूं चर्म चक्षूनें पाहूं न शकसी मज़

महा योगेश्वरें कृष्णें राया बोलूनि ह्यापरी ॥ ११ - ८ ॥

सञ्जय उवाच ।

एवम् उक्-त्वा ततः राजन् महायोगेश्वरः हरिः ।

दर्शयामास पार्थाय परमम् रूपम् ऐश्वरम् ॥ ११ - ९ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
सञ्जय	Sanjaya	Sanjaya	संजय ने	संजय
उवाच	Uvaacha	said	कहा	म्हणाला
एवम्	Evam	thus	इस प्रकार	अशा प्रकारे
उक् - त्वा	Uktvaa	having spoken	कहकर	बोलून
ततः	TataH	then	उस के पश्चात्	त्यानंतर
राजन्	Raajan	O King Dritarashtra!	हे राजा धृतराष्ट्र !	हे धृतराष्ट्र राजा !
महायोगेश्वरः	Mahaa-YogeshvaraH	Great Lord of Yoga	महायोगेश्वर	महायोगेश्वर
हरिः	HariH	Hari	और सर्व पापों का नाश करने वाले भगवान् ने	सर्व पापांचा नाश करणाऱ्या अशा भगवंतांनी
दर्शयामास	Darsha-yaamaasa	showed	दिखलाया	दाखविले
पार्थाय	Paarthaaya	to Arjuna	अर्जुन को	अर्जुनाला
परमम्	Paramam	supreme	परम	परम
रूपम्	Roopam	form	दिव्यस्वरूप	दिव्य रूप
ऐश्वरम्	Aishvaram	divine	ऐश्वर्ययुक्त	ऐश्वर्ययुक्त

अन्वय :-

सञ्जय उवाच - हे राजन् ! एवम् उक्- त्वा , ततः महायोगेश्वरः हरिः, पार्थाय परमम् ऐश्वरम् रूपम् दर्शयामास ॥ ११ - ९ ॥

English translation:-

Sanjay said, "O King Dritarashtra, having spoken thus, the great Lord of Yoga, Hari, showed His supreme divine form to Arjuna".

हिन्दी अनुवाद :-

संजय ने कहा , "हे राजा धृतराष्ट्र ! महा योगेश्वर और सब पापों का नाश करनेवाले भगवान् ने इस प्रकार कहने के पश्चात्, अर्जुन को अपना परम ऐश्वर्ययुक्त दिव्यस्वरुप दिखलाया ।"

मराठी भाषान्तर :-

संजय म्हणाला , " हे राजा धृतराष्ट्रा ! या प्रकारे बोलून , महायोगेश्वर कृष्णाने अर्जुनाला आपले परमश्रेष्ठ , ईश्वरीय रूप दाखविले ."

विनोबांची गीताई :-

महा योगेश्वरें कृष्णें राया बोलूनि ह्यापरी
दाविलें तेथ पार्थास थोरलें रुप ईश्वरी ॥ ११ - ९ ॥

अनेक वक्-त्र नयनम् अनेक अद्भुत दर्शनम् ।

अनेक दिव्य आभरणम् दिव्य अनेक उद्यत आयुधम् ॥ ११ - १० ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अनेक	Aneka	with many	अनेक	अनेक
वक् - त्र	Vak - tra	mouths	मुख	मुख
नयनम्	Nayanam	eyes	और नेत्रों से युक्त	नेत्र
अनेक	Aneka	with many	अनेक	अनेक
अद्भुत	Adbhuta	marvellous	अद्भुत	अद्भुत
दर्शनम्	Darshanam	visions	दर्शनोंवाले	दर्शने (असणाऱ्या)
अनेक	Aneka	with many	बहुत से	पुष्कळशा
दिव्य	Divya	divine	दिव्य	दिव्य
आभरणम्	Aabharam	ornaments	भूषणों से युक्त	भूषणांनी युक्त
दिव्य	Divya	divine	दिव्य	दिव्य
अनेक	Aneka	with many	बहुत से	पुष्कळशी
उद्यत	Udyata	uplifted	हाथों में उठाये हुए	हातांमध्ये उचलून धरणाऱ्या
आयुधम्	Aayudham	weapons	शस्त्रों को	शस्त्रे

अन्वय :-

अनेक वक्त्र नयनम् , अनेक अद्भुत दर्शनम् , अनेक दिव्य आभरणम् , अनेक दिव्य उद्यत आयुधम् ॥ ११ - १० ॥

English translation:-

With many mouths and eyes, with many marvellous visions, with many divine ornaments, with many uplifted divine weapons.

हिन्दी अनुवाद :-

अनेक मुख और नेत्रों से युक्त अनेक अद्भुत दर्शनोंवाले बहुत से दिव्य भूषणों से युक्त और बहुत से दिव्य शस्त्रों को हाथों में उठाये हुए।

मराठी भाषान्तर :-

त्या विश्वरूपाला अनेक तोंडे व डोळे असून त्यांत अनेक अद्भुत देखावे होते त्यावर अनेक प्रकारचे दिव्य अलंकार असून हातात अनेक दिव्य शस्त्रे होती .

विनोबांची गीताई :-

बहु डोळे मुखें ज्यांत दर्शनें बहु अद्-भुत
बहु दिव्य अलंकार सज्ज दिव्यायुधें बहु ॥ ११ - १० ॥

दिव्य माल्य अम्बर धरम् दिव्य गन्ध अनु - लेपनम् ।

सर्व आश्चर्यम् अयम् देवम् अनन्तम् विश्वतः मुखम् ॥ ११ - ११ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
दिव्य	Divya	divine	दिव्य	दिव्य
माल्य	Maalya	garlands	माला और	माळा
अम्बर	Ambara	apparel	वस्त्रों को	वस्त्रे
धरम्	Dharam	wearing	धारण किये हुए	धारण करणारा
दिव्य	Divya	divine	और दिव्य	दिव्य
गन्ध	Gandha	scents and unguents	गन्ध का	गंध
अनु - लेपनम्	Anulepanam	anointed	सारे शरीर में लेप किये हुए	संपूर्ण शरीरावर लेप असणारा
सर्व	Sarva	all	सब प्रकार के	सर्व प्रकारच्या
आश्चर्यम्	Aashcharyam	wonders	आश्चर्यों से युक्त	आश्चर्यांनी युक्त
अयम्	Ayam	that	उस	अशा
देवम्	Devam	resplendent	परमदेव परमेश्वर को अर्जुन ने देखा	परमेश्वराला (अर्जुनाने पाहिले)
अनन्तम्	Anantam	endless	सीमारहित और	अन्त नसलेल्या
विश्वतः	VishvataH	on all sides	सब ओर	सर्व बाजूंना
मुखम्	Mukham	face	मुख किये हुए विराटस्वरूप	तोंडे असणारा

अन्वय :-

दिव्य - माल्य - अम्बर - धरम् , दिव्य - गन्ध - अनु - लेपनम् , सर्व - आश्चर्यम् - अयम् , अनन्तम् , विश्वतः - मुखम्, देवम् (अर्जुनः अपश्यत्) ॥ ११ - ११ ॥

English translation:-

Wearing divine garlands and apparel, anointed with divine scents and unguents, full of all wonders that resplendent, endless, with face on all sides i.e. 360 degrees spectacle.

हिन्दी अनुवाद :-

दिव्य माला और वस्त्रों को धारण किये हुए और दिव्य गन्ध का सारे शरीर में लेप किये हुए सब प्रकार के आश्चर्यों से युक्त सीमारहित और सब ओर मुख किये हुए विराट् - स्वरुप परमदेव परमेश्वर को अर्जुनने देखा ।

मराठी भाषान्तर :-

त्याच्यावर अनेक दिव्य पुष्पमाळा असून उत्तम वस्त्रेही होती व दिव्य गंध व उटी अंगाला लावलेली होती . आश्चर्यांनी भरलेले , अनंत , सर्व बाजूंनी तोंडे असलेले , जे भगवंतांचे विराट स्वरूप होते ; ते अर्जुनाने पाहिले .

विनोबांची गीताई :-

दिव्य वस्त्रें फुलें गंध लेउनी सर्वतोपरी
आश्चर्यें भरला देव विश्व व्यापी अनंत तो ॥ ११- ११ ॥

दिवि सूर्य सहस्त्रस्य भवेत् युगपत् उत्थिता ।

यदि भाः सदृशी सा स्यात् भासः तस्य महात्मनः ॥ ११ - १२ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
दिवि	Divi	in sky	आकाश में	आकाशामध्ये
सूर्य	Surya	suns	सूर्यों के	सूर्यांचा
सहस्त्रस्य	Sahasrasya	of thousand	हजार	हजार
भवेत्	Bhavet	were	उत्पन्न हो	पडेल
युगपत्	Yugapat	at once	एक साथ	एकदम (झाल्यामुळे उत्पन्न होणारा)
उत्थिता	Utthitaa	arisen	उदय होने से	उदय
यदि	Yadi	if	जो	जर
भाः	BhaaH	splendour	प्रकाश	(जो) प्रकाश
सदृशी	Sadrushee	like	सदृश	सदृश
सा	Saa	that	वह भी	तो (ही)
स्यात्	Syaat	would be	कदाचित् ही हो	कदाचित होईल (म्हणजेच होणार नाही)
भासः	BhaasaH	of splendour	प्रकाश के	प्रकाश
तस्य	Tasya	his	उस	त्या
महात्मनः	MahaatmanaH	of exalted Being	विश्वरूप परमात्मा के	विश्वरूप परमात्म्याच्या

अन्वय :-

यदि दिवि सूर्य - सहस्त्रस्य भाः युगपत् उत्थिता भवेत्, (तर्हि) सा तस्य महात्मनः भासः सदृशी स्यात् ॥ ११ - १२ ॥

English translation:-

If the splendour of a thousand suns were to blaze forth all at once in the sky, that would be like the splendour of that exalted Being.

हिन्दी अनुवाद :-

आकाश में हजार सूर्यों के एक साथ उदय होने से उत्पन्न जो प्रकाश हो वह भी उस विश्वरुप परमात्मा के प्रकाश के सदृश कदाचित् ही हो।

मराठी भाषान्तर :-

जर आकाशात हजारो सूर्यांचे तेज एकदम प्रगट होईल, तर ते तेज कदाचितच त्या विश्वरूप परमेश्वराच्या तेजासारखे दिसेल.

विनोबांची गीताई :-

प्रभा सहस्त्र सूर्यांची नभीं एकवटे ज़री
तरी त्या थोर देवाच्या प्रभेशीं न तुळे चि ती ॥ ११ - १२ ॥

तत्र एकस्थम् जगत् कृत्स्नम् प्रविभक्तम् अनेकधा ।

अपश्यत् देवदेवस्य शरीरे पाण्डवः तदा ॥ ११ - १३ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
तत्र	Tatra	there	उस	त्या
एकस्थम्	Ekastham	resting in one	एक जगह स्थित	एका जागी स्थित असे
जगत्	Jagat	universe	जगत् को	जग
कृत्स्नम्	Krutsnam	entire	सम्पूर्ण	संपूर्ण
प्रविभक्तम्	Pravibhaktam	divided	विभक्त अर्थात् पृथक् पृथक्	विभक्त म्हणजे पृथक् पृथक् असणारे
अनेकधा	Anekadhaa	in many ways	अनेक प्रकार से	अनेक प्रकारांनी
अपश्यत्	Apashyat	saw	देखा	पाहिले
देवदेवस्य	Deva-Devasya	of the God of gods	देवों के देव श्रीकृष्ण भगवान् के	देवांचा देव अशा श्रीकृष्ण भगवानाच्या
शरीरे	Shareere	in body	शरीर में	शरीरामध्ये
पाण्डवः	PaaNdavaH	Arjuna	पाण्डवपुत्र अर्जुन ने	पांडुपुत्र अर्जुनाने
तदा	Tadaa	then	उस समय	त्यावेळी

अन्वय :-

पाण्डवः तदा अनेकधा प्रविभक्तम् कृत्स्नम् जगत्, तत्र देवदेवस्य शरीरे एकस्थम् अपश्यत् ॥ ११ - १३ ॥

English translation:-

There in the body of the God of the gods, Arjuna saw the entire universe with its many divisions drawn together into one.

हिन्दी अनुवाद :-

पाण्डुपुत्र अर्जुन ने उस समय अनेक प्रकार से विभक्त अर्थात् पृथक् - पृथक् सम्पूर्ण जगत् को देवों के देव श्रीकृष्ण भगवान् के उस शरीर में एक जगह स्थित देखा।

मराठी भाषान्तर :-

त्या वेळी अनेक प्रकाराने विभागलेले सर्व विश्व, अर्जुनाने त्या देवाधिदेवाच्या शरीरांत एकवटलेले पाहिले.

विनोबांची गीताई :-

सारे जगांतले भेद तेव्हां कालवले ज़से
देहांत देव देवाच्या देखिले तेथ अर्जुनें ॥ ११ - १३ ॥

ततः सः विस्मयाविष्टः हृष्टरोमा धनञ्जयः ।

प्रणम्य शिरसा देवम् कृताञ्जलिः अभाषत ॥ ११ - १४ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
ततः	TataH	then	उस के पश्चात्	त्यानंतर
सः	SaH	he	वह	त्या
विस्मयाविष्टः	Vismaya-aviShTaH	struck with wonder	आश्चर्य से चकित (और)	आश्चर्यचकित
हृष्टरोमा	HruShTa-Roma	with hair standing on end / horripilating	पुलकित-शरीर	शरीर पुलकित झालेल्या
धनञ्जयः	Dhanam-Jaya	Arjuna	अर्जुन	अर्जुनाने
प्रणम्य	PraNamya	having bowed down	(श्रद्धा भक्ति सहित) प्रणाम कर	(श्रद्धाभक्तिसहित) प्रणाम करून
शिरसा	Shirasaa	with head	सिर से	मस्तका ने
देवम्	Devam	to God	(प्रकाशमय विश्वरूप) परमात्मा को	विश्वरूप परमात्म्याला
कृताञ्जलिः	Kruta-anjaliH	with joined palms	हाथ जोडकर	हात जोडून
अभाषत	AbhaaShata	spoke	बोला	म्हटले

अन्वय :-

ततः विस्मयाविष्टः हृष्टरोमा सः धनञ्जयः, देवम् शिरसा प्रणम्य , कृताञ्जलिः अभाषत ॥ ११ - १४ ॥

English translation:-

Then Arjuna having struck with amazement, his hair standing on end, bending down his head to the Blessed Lord in great adoration, spoke with joined palms.

हिन्दी अनुवाद :-

उस के अनन्तर वे आश्चर्य से चकित और पुलकित - शरीर अर्जुन प्रकाशमय विश्वरुप परमात्मा को श्रद्धा भक्तिसहित सिर से प्रणाम कर के हाथ जोडकर बोला ।

मराठी भाषान्तर :-

तेव्हा अर्जुन आश्चर्याने थक्क झाला व त्याच्या अंगावर रोमांच उभे राहिले . तो मस्तक नम्र करून , दोन्ही हात जोडून , नमस्कार करीत देवाला असे बोलू लागला .

विनोबांची गीताई :-

मग विस्मित तो झाला अंगी रोमांच दाटले

प्रभूस हात जोडूनि बोलिला नत मस्तक ॥ ११ - १४ ॥

अर्जुन उवाच ।

पश्यामि देवान् तव देव देहे सर्वान् तथा भूतविशेषसंघान् ।

ब्रह्माणम् ईशम् कमलासनस्थम् ऋषीन् च सर्वान् उरगान् च दिव्यान् ॥ ११ - १५ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अर्जुन	Arjuna	Arjuna	अर्जुन ने	अर्जुन
उवाच	Uvaacha	said	कहा	म्हणाला
पश्यामि	Pashyaami	I see	मैं देखता हूँ	मी पाहात आहे
देवान्	Devaan	gods	देवों को	देव
तव	Tava	Your	आप के	आपल्या
देव	Deva	O God	हे देव !	हे देवा !
देहे	Dehe	in body	शरीर में	शरीरात
सर्वान्	Sarvaan	all	सम्पूर्ण	संपूर्ण
तथा	Tathaa	also	तथा	तसेच
भूतविशेषसंघान्	Bhuta-VisheSha-Sanghaan	hosts of various classes of beings	अनेक भूतों के समुदायों को	अनेक प्राण्यांचे समुदाय
ब्रह्माणम्	BrahmaaNam	Brahma	ब्रह्मा को	ब्रह्मदेव
ईशम्	Iisham	the Lord	महादेव को	महादेव
कमलासनस्थम्	Kamala-Aasanatham	seated on the lotus	कमल के आसनपर विराजित	कमळाच्या आसनावर विराजित
ऋषीन्	RuSheen	sages	ऋषियों को	ऋषी
च	Cha	and	और	आणि
सर्वान्	Sarvaan	all	सम्पूर्ण	सर्व
उरगान्	Uragaan	serpents	सर्पों को	सर्प
च	Cha	and	तथा	तसेच
दिव्यान्	Divyaan	divine	दिव्य	दिव्य

अन्वय :-

अर्जुन उवाच - हे देव ! (अहम्) तव देहे सर्वान् देवान् तथा भूतविशेषसंघान् , कमलासनस्थम् ईशम् ब्रह्माणम् च , सर्वान् ऋषीन् , दिव्यान् उरगान् च पश्यामि ॥ ११ - १५ ॥

English translation:-

Oh God, I see in Your body all the gods and hosts of all grades of beings; the Lord Brahma and the Lord Shankara, seated on the lotus and all sages and divine serpents.

हिन्दी अनुवाद :-

अर्जुनने कहा , " हे देव मैं आपके शरीर में सम्पूर्ण देवों को तथा अनेक भूतों के समुदायों को कमल के आसन पर विराजित ब्रह्मा को , महादेव को और सम्पूर्ण ऋषियों को तथा दिव्य सर्पों को देखता हूँ ।

मराठी भाषान्तर :-

हे देवा ! तुमच्या या देहात सर्व देव , निरनिराळया प्राण्यांचा समुदाय , कमळाच्या आसनावर बसलेलेले ब्रह्मदेव , महादेव , सर्व ऋषी व सर्व दिव्य सर्पही मला दिसत आहेत.

विनोबांची गीताई :-

देखें प्रभो देव तुझ्या शरीरीं कोंदाटले सर्व चि भूत - संघ
पद्मासनीं ध्यान धरी विधाता ऋषींसवें खेळत दिव्य सर्प ॥ ११ - १५ ॥

अनेक बाहु उदर वक्त्र नेत्रम् पश्यामि त्वाम् सर्वतः अनन्त रूपम् ।

न अन्तम् न मध्यम् न पुनः तव आदिम् पश्यामि विश्वेश्वर विश्वरूप ॥ ११ - १६ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अनेक	Aneka	(with) many	अनेक	अनेक
बाहु	Baahu	arms	हाथ	हात
उदर	Udara	stomachs	पेट	पोटे
वक्त्र	Vak - tra	mouths	मुख और	तोंडे आणि
नेत्रम्	Netram	eyes	नेत्रों से युक्त	डोळे
पश्यामि	Pashyaami	I see	मैं देखता हूँ	मी पाहात आहे
त्वाम्	Tvaam	You	आप को	आपणाला
सर्वतः	SarvataH	everywhere	तथा सब ओर से	सर्व बाजूंना
अनन्त	Ananta	endless	अनन्त	अनंत
रूपम्	Rupam	form	रूपोंवाला	रूपे असणाऱ्या
न	Na	not	न	नाही
अन्तम्	Antam	end	अन्त को	शेवट
न	Na	not	न	नाही
मध्यम्	Madhyam	middle	मध्य को	मध्य
न	Na	not	न ही	नाही
पुनः	PunaH	again	और	आणि
तव	Tava	Your	आपके	आपला
आदिम्	Aadim	beginning	आदि को	आदी
पश्यामि	Pashyaami	I see	देखता हूँ	मी पाहात आहे
विश्वेश्वर	Vishveshvara	O Lord of the universe	हे सम्पूर्ण विश्व के स्वामिन् !	हे संपूर्ण विश्वाच्या स्वामी !
विश्वरूप	Vishvarupa	cosmic form	हे विश्वरूप !	हे विश्वरूपा !

अन्वय :-

(अहम्) त्वाम् अनेक - बाहु - उदर - वक्-त्र - नेत्रम् , सर्वतः - अनन्त - रूपम् पश्यामि । हे विश्वरूप विश्वेश्वर ! पुनः तव अन्तम् , मध्यम्, आदिम् च न पश्यामि ॥ ११ - १६ ॥

English translation:-

I behold you, infinite on all sides, with countless arms, stomachs, mouths and eyes; neither Your end nor the middle nor the beginning do I see, O Lord of the universe, Your cosmic form.

हिन्दी अनुवाद :-

हे सम्पूर्ण विश्व के स्वामिन् ! आप को अनेक भुजा , पेट , मुख और नेत्रों से युक्त तथा सब ओर से अनन्त रुपोंवाला देखता हूँ । हे विश्वरुप ! मैं आप के न अन्त को देखता हूँ , न मध्य को और न आदि को ही ।

मराठी भाषान्तर :-

हे संपूर्ण विश्वाचे स्वामी ! मी आपल्याला अनेक हात , पोटे , तोंडे आणि डोळे असलेले तसेच सर्व बाजूंनी अनन्त रुपे असलेले पाहात आहे . हे विश्वरुपा ! मला आपला ना अन्त , ना मध्य , ना आरम्भ दिसत आहे .

विनोबांची गीताई :-

लेउनि डोळे मुख हात पोट जिथें तिथें तूं चि अनंत मूर्ते

विश्वेश्वरा शेंवट मध्य मूळ तुझ्या न मी देखत विश्व रुपीं ॥ ११ - १६ ॥

किरीटिनम् गदिनम् चक्रिणम् च तेजोराशिम् सर्वतः दीप्तिमन्तम् ।

पश्यामि त्वाम् दुर्निरीक्ष्यम् समन्तात् दीप्तानलार्कद्युतिम् अप्रमेयम् ॥ ११ - १७ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
किरीटिनम्	Kireetinam	with diadem	मुकुटयुक्त	मुकुटयुक्त
गदिनम्	Gadinam	with mace	गदायुक्त	गदायुक्त
चक्रिणम्	ChakriNam	with disc sword	चक्रयुक्त	चक्रयुक्त
च	Cha	and	और	आणि
तेजोराशिम्	Tejoraashim	mass of radiance	तेज के पुंज	तेजाचा पुंज
सर्वतः	SarvataH	everywhere	तथा सब ओरसे	सर्व बाजूंनी
दीप्तिमन्तम्	Deeptimantam	shining	प्रकाशमान	प्रकाशमान
पश्यामि	Pashyaami	I see	मैं देखता हूँ	(मी) पाहात आहे
त्वाम्	Tvaam	You	आप को	आपणाला
दुर्निरीक्ष्यम्	Durnireeksham	very hard to look at	कठिनता से देखे जाने योग्य	मोठ्या कष्टाने पाहिले जाण्यास योग्य
समन्तात्	Samantaat	from all around	और सब ओर से	सर्व बाजूंनी
दीप्त - अनल - अर्क - द्युतिम्	Deepta -Anal-Arka-Dyutim	blazing like burning fire and sun	प्रज्वलित अग्नि और सूर्य के सदृश ज्योति युक्त	प्रज्वलित अग्नी आणि सूर्याच्या सारखे तेजःपुंज
अप्रमेयम्	Aprameyam	immeasurable	अप्रमेय स्वरूप	अप्रमेय स्वरूप

अन्वय :-

त्वाम् किरीटिनम् , गदिनम् , चक्रिणम् तेजोराशिम् सर्वतः दीप्तिमन्तम् , समन्तात् दीप्तानलार्कद्युतिम् अप्रमेयम् दुर्निरीक्ष्यम् च पश्यामि ॥ ११ - १७ ॥

English translation:-

I see You with crown, club and discus; a mass of radiance blazing everywhere, hard to look at, immeasurable, all round dazzling like burning fire and sun.

हिन्दी अनुवाद :-

आप को मैं मुकुटयुक्त गदायुक्त और चक्रयुक्त तथा सब ओर से प्रकाशमान तेज के पुञ्ज प्रज्वलित अग्नि और सूर्य के सदृश ज्योतियुक्त कठिनता से देखे जानेयोग्य और सब ओर से अप्रमेयस्वरुप देखता हूँ।

मराठी भाषान्तर :-

मुकुट , गदा व चक्र धारण करणारे ; तेजःपुंज , चोहीकडे प्रभा फाकलेले , प्रदीप्त अग्नी आणि सूर्याप्रमाणे तेजस्वी , अमर्यादित आणि निसर्गतः पाहण्यास अशक्य असे आपले रूप सगळीकडे मी पहात आहे .

विनोबांची गीताई :-

प्रभो गदा - चक्र किरीट - धारी प्रकाश सर्वत्र तुझा प्रचंड

डोळे न पाहूं शकती अपार ज्यांतूनि हे पेटत अग्नि – सूर्य ॥ ११ - १७ ॥

त्वम् अक्षरम् परमम् वेदितव्यम् त्वम् अस्य विश्वस्य परम् निधानम् ।

त्वम् अव्ययः शाश्वतधर्मगोप्ता सनातनः त्वम् पुरुषः मतः मे ॥ ११ - १८ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
त्वम्	Tvam	You	आप ही	आपण
अक्षरम्	Aksharam	imperishable	अक्षर अर्थात् परब्रह्म परमात्मा हो	अविनाशी परब्रह्म (परमात्मा)
परमम्	Paramam	Supreme being	परम	श्रेष्ठ
वेदितव्यम्	Vaditavyam	worthy to be known as	जानने योग्य	जाणून घेण्यास योग्य
त्वम्	Tvam	You	आप ही	आपण
अस्य	Asya	of this	इस	या
विश्वस्य	Vishvasya	of universe	जगत् के	जगाचा
परम्	Param	Supreme	परम	श्रेष्ठ
निधानम्	Nidhaanam	treasure house / abode	आश्रय हो	आश्रय
त्वम्	Tvam	You	आप ही	आपण
अव्ययः	AvyayaH	imperishable	अविनाशी	अविनाशी
शाश्वत-धर्मगोप्ता	Shaashvata-Dharma-Goptaa	Protector of eternal dharma (laws)	अनादि धर्म के रक्षक हो	सनातन धर्माचे रक्षक
सनातनः	SanaatanaH	ancient	सनातन	सनातन
त्वम्	Tvam	You	आप ही	आपण
पुरुषः	PuruShaH	(Supreme) Being	पुरुष हो	पुरुष
मे मतः	Me MataH	is regarded by me	ऐसा मेरा मत है	असे माझे मत आहे

अन्वय :-

त्वम् अक्षरम् परमम् वेदितव्यम् त्वम् अस्य विश्वस्य परम् निधानम् त्वम् अव्ययः शाश्वतधर्मगोप्ता सनातनः त्वम् पुरुषः मे मतः ॥ ११ - १८ ॥

English translation:-

I consider You to be the Imperishable, the Supreme being to be realised. You are the ultimate treasure-house of this universe, You are the imperishable Protector of eternal laws; You are the ancient Supreme being.

हिन्दी अनुवाद :-

आप ही जाननेयोग्य परम अक्षर अर्थात् परब्रह्म परमात्मा हैं। आप ही इस जगत् के परम आश्रय हैं। आप ही अनादि धर्म के रक्षक हैं और आप ही अविनाशी सनातन पुरुष हैं, ऐसा मेरा मत है।

मराठी भाषान्तर :-

आपणच जाणण्यास योग्य परब्रह्म, या विश्वाचे अंतिम आधार, शाश्वत धर्माचे संरक्षक, अविनाशी आणि सनातन पुरुष आहात असे मी मानतो.

विनोबांची गीताई :-

तूं थोर तें अक्षर ज्ञाणण्याचें तुझा चि आधार या जगास अंतीं
तूं राखिसी शाश्वत - धर्म नित्य मी मानितों तूं परमात्म तत्व ॥ ११ - १८ ॥

अन् – आदि - मध्य - अन्तम् अन् - अन्त - वीर्यम् अन् - अन्त - बाहुम् शशी - सूर्य - नेत्रम् ।

पश्यामि त्वाम् दीप्त - हुताश - वक् - त्रम् स्वतेजसा विश्वम् इदम् तपन्तम् ॥ ११ - १९ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अन् – आदि - मध्य - अन्तम्	An-Aadi-Madhya-Antam	without beginning, middle and end	आदि अन्त और मध्य से रहित	आदी , अंत आणि मध्य यांनी रहित
अन् - अन्त - वीर्यम्	An-Anta-Veeryam	infinite in power	अनन्त सामर्थ्य से युक्त	अनंत सामर्थ्याने युक्त
अन् - अन्त - बाहुम्	An-Anta-Baahum	of endless arms	अनन्त भुजावाले	अनंत हात असणाऱ्या
शशी - सूर्य - नेत्रम्	Shashee –Surya - Netram	moon and sun as eyes	चन्द्र सूर्यरूप नेत्रोंवाले	चंद्र व सूर्यरूपी डोळे असणाऱ्या
पश्यामि	Pashyaami	I see	मैं देखता हूँ	(मी) पाहात आहे
त्वाम्	Tvaam	You	आप को	आपणाला
दीप्त - हुताश - वक् - त्रम्	Deepta – Hutaasha – Vak -Tram	shining blazing fire as mouth	प्रज्वलित अग्निरूप मुखवाले और	प्रज्वलित अग्निरूपी तोंडे असणाऱ्या
स्वतेजसा	Sva-Tejasaa	by your own radiance	अपने तेज से	स्वतःच्या तेजाने
विश्वम्	Vishvam	universe	जगत् को	जगाला
इदम्	Idam	this	इस	या
तपन्तम्	Tapantam	heating	तप्त करते हुए	तप्त करणाऱ्या अशा

अन्वय :- अन् – आदि - मध्य - अन्तम् , अन् - अन्त - वीर्यम् , अन् - अन्त - बाहुम् , शशी - सूर्य - नेत्रम् , दीप्त - हुताश - वक् - त्रम् , स्वतेजसा इदम् विश्वम् तपन्तम् त्वाम् पश्यामि ॥ ११ - १९ ॥

English translation:-

I behold You without beginning, middle or end, infinite in power, with endless arms, the sun and the moon being your eyes, the shining and blazing fire as mouth, heating the entire universe with Your own radiance.

हिन्दी अनुवाद :-

आप को आदि अन्त और मध्य से रहित अनन्त सामर्थ्य से युक्त अनन्त भुजावाले चन्द्र सूर्यरूप नेत्रोंवाले प्रज्वलित अग्निरूप मुखवाले और अपने तेज से इस जगत् को तप्त करते हुए देखता हूँ ।

मराठी भाषान्तर :-

ज्याला आदि - मध्य - अन्त नाही , ज्याचे सामर्थ्य अनंत आहे , ज्याला अनेक हात आहेत , चंद्रसूर्य हे ज्याचे डोळे आहेत , पूर्णपणे पेटलेला अग्नी हे ज्याचे तोंड आहे , आपल्या तेजाने विश्वाला ज्यांनी तापविले आहे अशा आपणास मी पहात आहे .

विनोबांची गीताई :-

किती भुजा वीर्य किती पसारा डोळे कसे उज्वल चंद्र - सूर्य
हा पेटला अग्नि तुझ्या मुखांत तूं ताविसी सर्व चि आत्म तेजें ॥ ११ - १९ ॥

द्यावापृथिव्योः इदम् अन्तरम् हि व्याप्तम् त्वया एकेन दिशः च सर्वाः ।

दृष्ट्वा अद्भुतम् रूपम् उग्रम् तव इदम् लोकत्रयम् प्रव्यथितम् महात्मन् ॥ ११ - २० ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
द्यावापृथिव्योः	Dyaavaa-PrithivyoH	of heaven and earth	स्वर्ग और पृथ्वी के बीच का	स्वर्ग आणि पृथ्वी यांच्यामधील
इदम्	Idam	this	यह	हे
अन्तरम्	Antaram	Inter-space / distance	सम्पूर्ण अन्तर तथा आकाश	अन्तर म्हणजेच संपूर्ण आकाश
हि	Hi	indeed	ही	खरोखर
व्याप्तम्	Vyaaptam	filled / occupied / pervaded	परिपूर्ण हैं	(पूर्णपणे) व्यापले आहेत
त्वया	Tvayaa	By You	आप से	आपण
एकेन	Ekena	by You alone	एक	एकट्याने
दिशः च	DishaH cha	and quarter	और दिशाएँ	तसेच दिशा
सर्वाः	SarvaaH	all	सब	सर्व
दृष्ट्वा	DriShTvaa	having seen	देखकर	पाहून
अद्भुतम्	Adbhutam	wonderful	अलौकिक	अलौकिक
रूपम्	Roopam	form	रूप को	रूप
उग्रम्	Ugram	terrible	और भयंकर	भयंकर
तव	Tava	Your	आप के	आपले
इदम्	Idam	this	इस	हे
लोकत्रयम्	Lokatrayam	the three worlds (Heaven, Earth and hell)	तीनों लोक	हे तीन लोक (स्वर्ग, पृथ्वी आणि पाताळ)
प्रव्यथितम्	Pravyathitam	Are trembling with fear	अति व्यथा को प्राप्त हो रहे हैं	अतिशय भयभीत झाले आहेत
महात्मन्	Mahaatman	O great soul!	हे महात्मन् !	हे महात्मन !

अन्वय :- हे महात्मन् ! त्वया एकेन द्यावापृथिव्योः इदम् अन्तरम् व्याप्तम्, सर्वाः दिशः च (व्याप्ताः), इदम् तव अद्भुतम् उग्रम् रूपम् दृष्ट्वा लोकत्रयम् प्रव्यथितम् हि ॥ ११ - २० ॥

English translation:- O great soul, this space between heaven and earth and all the quarters are indeed pervaded by You alone. Having seen this marvellous and terrible form, the three worlds (i.e. Heaven, earth and hell) are trembling with fear.

हिन्दी अनुवाद :-

हे महात्मन् ! यह स्वर्ग और पृथ्वी के बीच का सम्पूर्ण आकाश तथा सब दिशाएँ एक आप से ही परिपूर्ण हैं तथा आप के इस अलौकिक और भयंकर रूप को देखकर तीनों लोक अति व्यथा को प्राप्त हो रहे हैं।

मराठी भाषान्तर :-

हे महात्मन ! आपण एकट्यानेच आकाश आणि पृथ्वी व्यापून टाकले आहे ; त्याचप्रमाणे सर्व दिशाही आपण घेरल्या आहेत. हे आपले अलौकिक आणि घोर रूप पाहून , (आकाश - पृथ्वी – पाताळ) हे तिन्ही लोक फार भयभीत झाले आहेत.

विनोबांची गीताई :-

दाहि दिशा विस्तृत अंतराळ व्यापूनिं तूं एक चि राहिलासी

पाहूनि हे अद्-भुत उग्र रुप तिन्ही जगें व्याकुळलीं उदारा ॥ ११ - २० ॥

अमी हि त्वाम् सुरसङ्घाः विशन्ति केचित् भीताः प्राञ्जलयः गृणन्ति ।

स्वस्ति इति उक् - त्वा महर्षिसिद्धसंङ्घाः स्तुवन्ति त्वाम् स्तुतिभिः पुष्कलाभिः ॥ ११ - २१ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अमी	Amee	these	वे	ते
हि	Hi	verily	ही	च
त्वाम्	Tvaam	You	आप में	आपल्या शरीरात
सुरसङ्घाः	Sura-SanghaaH	host of gods	देवताओं के समूह	देवतांचे समूह
विशन्ति	Vishanti	enter	प्रवेश करते हैं	प्रवेश करीत आहेत
केचित्	Kechit	some	और कुछ	काही
भीताः	bheetaaH	in fear / fright	भयभीत होकर	भयभीत होऊन
प्राञ्जलयः	PraanjalayaH	with joined palms	हाथ जोडे	हात जोडून
गृणन्ति	GriNanti	utter / extol	आपके नाम और गुणों का उच्चारण करते हैं	आपले नाम आणि गुण यांचा उच्चार करीत आहेत
स्वस्ति	Swasti	“May it be well”	“ कल्याण हो “	“कल्याण असो”
इति	Iti	thus	ऐसा	असे
उक् - त्वा	Uk-Tvaa	having said	कहकर	बोलून
महर्षिसिद्धसंङ्घाः	Maharshee-Siddha-SanghaaH	host of great sages	तथा महर्षि और सिद्धों के समुदाय	महर्षी व सिद्ध यांचे समुदाय
स्तुवन्ति	Stuvanti	praise	स्तुति करते हैं	स्तुती करीत आहेत
त्वाम्	Tvaam	You	आप की	आपली
स्तुतिभिः	StutibhiH	with hymns	स्त्रोत्रों द्वारा	स्त्रोत्रांच्या द्वारे
पुष्कलाभिः	PushkalaabhiH	many sublime	उत्तम उत्तम	पुष्कळ उत्तम उत्तम

अन्वय :-

अमी हि सुरसङ्घाः त्वाम् विशन्ति, केचित् भीताः प्राञ्जलयः गृणन्ति ; महर्षिसिद्धसंङ्घाः स्वस्ति इति उक्-त्वा पुष्कलाभिः स्तुतिभिः त्वाम् स्तुवन्ति ॥ ११ - २१ ॥

English translation:-

These hosts of gods indeed enter into You, some in great awe extol You with joined palms; "May it be well" thus saying bands of great sages and perfected souls praise You with many sublime hymns.

हिन्दी अनुवाद :-

वे ही देवतां के समूह आप में प्रवेश करते हैं और कुछ भयभीत होकर हाथ ज़ोडे आप के नाम और गुणों का उच्चारण करते हैं तथा महर्षि और सिद्धों के समुदाय कल्याण हो ऐसा कहकर उत्तम - उत्तम स्तोत्रों द्वारा आप की स्तुति करते हैं ।

मराठी भाषान्तर :-

हे देवतांचे समूह आपल्यात प्रवेश करीत आहेत . काही घाबरून , हात जोडून , प्रार्थना करीत आहेत आणि सिद्ध - महर्षींचा समूह " स्वस्ति स्वस्ति " (कल्याण असो) असे म्हणून , अनेक प्रकारच्या स्तोत्रांनी तुमचे स्तवन करीत आहे .

विनोबांची गीताई :-

हे देव सारे रिघती तुझ्यांत कोणी भयें प्रार्थित बद्ध - हस्त
मांगल्य - गीतें तुज सिद्ध संत परोपरी आळविती समस्त ॥ ११ - २१ ॥

रुद्र - आदित्याः वसवः ये च साध्याः विश्वे - अश्विनौ मरुतः च उष्मपाः च ।

गन्धर्व - यक्ष- असुर - सिद्धसङ्घाः वीक्षन्ते त्वाम् विस्मिताः च एव सर्वे ॥ ११ - २२ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
रुद्र	Rudra	Rudras, gods of destruction	ग्यारह रुद्र	अकरा रूद्र
आदित्याः	AadityaaH	Aadityaas, gods of light / sun	बारह आदित्य	बारा आदित्य
वसवः	VasavaH	Vasus, gods of elements	तथा आठ वसु	आठ वसू
ये	Ye	these	जो	जे
च	Cha	and	और	तसेच
साध्याः	SaadhyaaH	Twelve celestials born of Sadhya	साध्यगण	साध्यांचे गण
विश्वे	Vishve	Vishvadevas, ten celestials born of Visva	विश्व के दस पुत्र	विश्वदेव
अश्विनौ	Ashvinau	Ashvins, two Vedic physicians of gods	दो अश्विनीकुमार	दोन अश्विनीकुमार
मरुतः	MarutaH	Maruts, forty nine wind gods	मरुत् गण	मरुतगण
च	Cha	and	तथा	तसेच
उष्मपाः	UshmapaaH	Ushmapas, seven Pitrs (manes)	पितरों के समुदाय	पितरांचे समुदाय
च	Cha	and	और	आणि
गन्धर्व	Gandharva	Gandharvas, celestial musicians	गन्धर्व	गंधर्व
यक्ष	Yaksha	Yakshas, beneficial demons like Kubera	यक्ष	यक्ष
असुर	Asura	Asuras, demons like Daityas, Danavas and Rakshyasas	राक्षस और	राक्षस
सिद्ध	Siddha-	Siddhas, eight Siddhas like Kapil Muni who possessed supernatural powers	सिद्धों के	सिद्ध
सङ्घाः	SanghaaH	Groups	समुदाय हैं	समुदाय
वीक्षन्ते	Veekshyante	are looking at	देखते हैं	पाहात आहेत
त्वाम्	Tvaam	You	आप को	आपणाला
विस्मिताः	VismitaaH	astonished	विस्मित होकर	आश्चर्यचकित होऊन
च	Cha	and	और	आणि
एव	Eva	even	ही	केवळ
सर्वे	Sarve	all	वे सब	ते सर्व जण

अन्वय :-

रुद्र - आदित्याः , वसवः , ये च साध्याः , विश्वे - अश्विनौ च , मरुतः , उष्मपाः च गन्धर्व - यक्ष- असुर - सिद्धसङ्घाः च सर्वे विस्मिताः एव त्वाम् वीक्षन्ते ॥ ११ - २२ ॥

English translation:-

The Rudras, Adityas, Vasus, Saddhyas, Vishvadevas, Ashvins, Maruts, Ushmapas and hosts of Gandharvas, Yakshyas, Asuras and Siddhas – all these behold you quite astonished.

हिन्दी अनुवाद :-

जो ग्यारह रुद्र और बारह आदित्य तथा आठ वसु , साध्यगण , विश्वेदेव , अश्विनीकुमार तथा मरुद् गण और पितरों का समुदाय तथा गन्धर्व , यक्ष , राक्षस और सिद्धों के समुदाय हैं - वे सब ही विस्मित होकर आप को देखते हैं ।

मराठी भाषान्तर :-

अकरा रुद्र , बारा आदित्य तसेच आठ वसू , साध्यगण , विश्वदेव , दोन अश्विनीकुमार , मरुतगण आणि पितरांचे समुदाय तसेच गंधर्व , यक्ष , राक्षस आणि सिद्धांचे समुदाय हे सर्वच चकित होऊन आपल्याकडे पाहात आहेत .

विनोबांची गीताई :-

आदित्य विश्वे असु रुद्र साध्य कुमार दोघे पितृ - देव वायु
गंधर्व दैत्यांसह यक्ष सिद्ध सारे कसे विस्मित पाहताती ॥ ११ - २२ ॥

रूपम् महत् ते बहु वक् - त्र नेत्रम् महाबाहो बहु बाहू उरु पादम् ।

बहु उदरम् बहु दंष्ट्रा करालम् दृष्ट्वा लोकाः प्रव्यथिताः तथा अहम् ॥ ११ - २३ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
रूपम्	Rupam	form	रूप को	रूप
महत्	Mahat	mighty	महान्	महान
ते	Te	Your	आप के	आपले
बहु	Bahu	many	बहुत	अनेक
वक् - त्र	Vak - tra	mouths	मुख	तोंडे
नेत्रम्	Netram	eyes	और नेत्रोंवाले	आणि डोळे असलेले
महाबाहो	Mahaabaaho	O mighty – armed!	हे भगवान् श्रीकृष्ण !	हे महाबाहो !
बहु	Bahu	many	बहुत	अनेक
बाहू	Baahu	arms	हाथ	हात
उरु	Uru	thighs	जङ्घा	मांड्या
पादम्	Paadam	feet	और पैरोंवाले	पाय
बहु	Bahu	many	बहुत	अनेक
उदरम्	Udaram	stomachs	पेटोंवाले	पोट
बहु	Bahu	many	और बहुत सी	अनेक
दंष्ट्रा	DamsShTraa	terrible	कारण अत्यन्त विकराल	दाढांमुळे
करालम्	Karaalam	tusks	दाढोंके	अत्यंत विक्राळ
दृष्ट्वा	DriShTvaa	having seen	देखकर	पाहून
लोकाः	LokaaH	worlds	सब लोग	सर्व लोक
प्रव्यथिताः	PravyathitaaH	with terrified mind	व्याकुल हो रहे हैं	व्याकूळ होत आहेत
तथा	Tathaa	also	तथा	तसेच
अहम्	Aham	I	मैं भी व्याकुल हो रहा हूँ	मी सुद्धा व्याकूळ होत आहे

अन्वय :-

(हे) महाबाहो ! बहु - वक्त्र - नेत्रम् , बहु - बाहू - उरु - पादम् , बहु - उदरम् , बहु - दंष्ट्रा - करालम् ते महत् रूपम् दृष्ट्वा लोकाः प्रव्यथिताः , तथा अहम् (अपि व्यथितः अस्मि) ॥ ११ - २३ ॥

English translation:-

Seeing your grand form with many mouths and eyes, many arms, thighs and feet, many stomachs, many terrible tusks, O mighty armed, the three worlds are terrified and so am I.

हिन्दी अनुवाद :-

हे महाबाहो ! आप के बहुत मुख और नेत्रोंवाले बहुत हाथ , जंघा और पैरोंवाले बहुत उदरोंवाले और बहुत सी दाढों के कारण अत्यन्त विकराल महान् रुप को देखकर सब लोग व्याकुल हो रहे हैं तथा मैं भी व्याकुल हो रहा हूँ ।

मराठी भाषान्तर :-

हे महाबाहो ! अनेक तोंडे , अनेक डोळे , अनेक हात - मांड्या व पाय असलेले , अनेक पोटांचे , अनेक दाढांमुळे विक्राळ दिसणारे , आपले अवाढव्य रुप पाहून ; सर्व लोक फार व्याकुळ झाले आहेत आणि मीही भयभीत झालो आहे .

विनोबांची गीताई :-

अफाट हें रुप असंख्य डोळे मुखें भुजा उरु असंख्य पाय
असंख्य पोटें विकराळ दाढा ह्या दर्शनें व्याकुळ लोक मी हि ॥ ११ - २३ ॥

नभःस्पृशम् दीप्तम् अनेकवर्णम् व्यात्ताननम् दीप्तविशालनेत्रम् ।

दृष्ट्वा हि त्वाम् प्रव्यथितान्तरात्मा धृतिम् न विन्दामि शमम् च विष्णो ॥ ११ - २४ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
नभःस्पृशम्	NabhaH-Sprusham	touching the sky	आकाश को स्पर्श करनेवाले	आकाशाला स्पर्श करणाऱ्या
दीप्तम्	Deeptam	shining	देदीप्यमान	दैदीप्यमान
अनेकवर्णम्	Anek-VarNam	in many colours	अनेक वर्णों से युक्त	अनेक रंगांनी
व्यात्ताननम्	Vyaattananam	with mouths open	तथा फैलाये हुए मुख	तोंडे पसरलेल्या
दीप्तविशालनेत्रम्	Deepta-Vishaal-Netram	with large shining eyes	और प्रकाशमान विशाल नेत्रों से युक्त	प्रकाशमान विशाल डोळयांनी
दृष्ट्वा	Drishtvaa	having seen	देखकर	पाहून
हि	Hi	indeed	क्योंकि	कारण
त्वाम्	Tvaam	You	आप को	आपणाला
प्रव्यथितान्तरात्मा	Pravyathita-Antaraatmaa	with terrified mind	भयभीत अन्तःकरणवाला मैं	अंतःकरण भयभीत झालेल्या
धृतिम्	Dhritim	courage	धीरज	धैर्य
न	Na	not	नहीं	नाही
विन्दामि	Vindaami	I find	पाता हूँ	मिळते
शमम्	Shamam	peace	शान्ति	शांती
च	Cha	and	और	व
विष्णो	VishNo	O ViShNu!	हे विष्णो !	हे विष्णू !

अन्वय :-

हे विष्णो ! त्वाम् नभःस्पृशम् , दीप्तम् , अनेकवर्णम् , व्यात्ताननम् दीप्तविशालनेत्रम् , दृष्ट्वा हि (अहम्) प्रव्यथितान्तरात्मा (भूत्वा) धृतिम् शमम् च न विन्दामि ॥ ११ - २४ ॥

English translation:-

O Vishnu, when I see you touching the sky, blazing with many colours, with mouths wide open, with large fiery eyes, my heart trembles in fear and I find neither courage nor peace.

हिन्दी अनुवाद :-

क्योंकि हे विष्णो ! आकाश को स्पर्श करनेवाले , देदीप्यमान अनेक वर्णों से युक्त तथा फैलाये हुए मुख और प्रकाशमान विशाल नेत्रों से युक्त आप को देखकर भयभीत अन्तःकरणवाला मैं धीरज और शान्ति नहीं पाता हूँ ।

मराठी भाषान्तर :-

हे व्यापक देवा (विष्णो) ! आकाशाला जाऊन भिडलेले , प्रकाशमान , अनेक रंगाचे , जबडा पसरलेलेले , प्रदीप्त , विशाल नेत्रांनी युक्त अशा आपणास पाहून माझा अंतरात्मा घाबरला असल्यामुळे ; माझे धैर्य व शांती नाहीशी झाली आहे .

विनोबांची गीताई :-

भेदूनि आकाश भरुनि रंगीं फाडुनि डोळे उघडूनि तोंडें
तूं पेटलासी बघ जीव माझा भ्याला न देखे शम आणि धीर ॥ ११ - २४ ॥

दंष्ट्राकरालानि च ते मुखानि दृष्ट्वा एव कालानलसन्निभानि ।

दिशो न जाने न लभे च शर्म प्रसीद देवेश जगन्निवास ॥ ११ - २५ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
दंष्ट्रा	DamShtraa	with terrible	दाढों के कारण	दाढा
करालानि	Karaalaani	tusks	विकराल	विक्राळ
च	Cha	and	और	आणि
ते	Te	Your	आप के	आपली
मुखानि	Mukhaani	mouths	मुखों को	मुखे
दृष्ट्वा	DriShTvaa	having seen	देखकर	पाहून
एव	Eva	even	भी	सुद्धा
काल	Kaala	time	प्रलयकालकी	प्रलयकाल
अनल	Anala	fire	अग्नि के समान	अग्नी
सन्निभानि	Sannibhaani	blazing like	प्रज्वलित	प्रज्वलित
दिशो	Disho	quarters	दिशाओं को	दिशा
न	Na	not	नहीं	न
जाने	Jaane	I know	मैं जानता हूँ	समजणे
न	Na	not	नहीं	नाही
लभे	Labhe	I obtain	पाता हूँ	प्राप्त होते
च	Cha	and	और	तसेच
शर्म	Sharma	peace	सुख	सुख
प्रसीद	Praseeda	have mercy	आप प्रसन्न हों	प्रसन्न
देवेश	Devesha	O Lord of gods!	इसलिये हे देवेश !	हे देवेशा !
जगन्निवास	Jagannivaas	O abode of the universe!	हे जगन्निवास !	हे जगन्निवासा !

अन्वय :- हे देवेश ! हे जगन्निवास ! कालानलसन्निभानि दंष्ट्राकरालानि च ते मुखानि दृष्ट्वा एव (अहम्) दिशः न जाने, शर्म च न लभे, (अतः त्वम्) प्रसीद ॥ ११ - २५ ॥

English translation:-
When I see Your mouths terrible with tusks and resembling Pralaya (as if end of time) – fires, I have lost my co-ordinates, nor do I find peace. Please have mercy on me, O Lord of lords, O abode of the universe.

हिन्दी अनुवाद :-

दाढों के कारण विकराल और प्रलयकाल की अग्नि के समान प्रज्वलित आप के मुखों को देखकर मैं दिशाओं को नहीं जानता हूँ और सुख भी नहीं पाता हूँ। इसलिये हे देवेश ! हे जगन्निवास ! आप प्रसन्न हों।

मराठी भाषान्तर :-

दाढांमुळे भयानक व प्रलयकाळच्या अग्नीसारखी प्रज्वलित आपली तोंडे पाहून मला दिशा कळेनाशा झाल्या असून माझे सुखही हरपले आहे. म्हणून हे देवाधिदेवा ! हे जगन्निवासा ! आपण माझ्यावर प्रसन्न व्हा.

विनोबांची गीताई :-

कराळ दाढा विकराळ तोंडें कल्पांत अग्नीसम देखतां चि
दिङ्मूढ झालों सुख तें पळालें प्रसन्न हो कीं जग हें तुझें चि ॥ ११ - २५ ॥

अमी च त्वाम् धृतराष्ट्रस्य पुत्राः सर्वे सह एव अवनिपालसंघैः ।

भीष्मः द्रोणः सूतपुत्रः तथा असौ सह अस्मदीयैः अपि योधमुख्यैः ॥ ११ - २६ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अमी	Amee	these	वे	ते
च	Cha	cha	और	आणि
त्वाम्	Tvaam	You	आप में प्रवेश कर रहे हैं	आपल्या (शरीरात)
धृतराष्ट्रस्य	Dhrita-raaShTrasya	of Dhritarashtra	धृतराष्ट्र के	धृतराष्ट्राचे
पुत्राः	PutraaH	sons	पुत्र	पुत्र
सर्वे	Sarve	all	सभी	सर्व
सह	Saha	with	सहित	सहित
एव	Eva	even	और	आणि
अवनिपालसंघैः	Avanipaala-SanghaiH	with hosts of kings	राजाओं के समुदाय	राजांच्या समुदायांनी
भीष्मः	BheeShmaH	Bhishma	भीष्म पितामह	भीष्म पितामह
द्रोणः	DronaH	Drona	द्रोणाचार्य	द्रोणाचार्य
सूतपुत्रः	SootaputraH	Karna – son of Soota	कर्ण	कर्ण
तथा	Tathaa	also	तथा	तसेच
असौ	Asau	this	वह	हा
सह	Saha	with	सहित सब के सब	सहित
अस्मदीयैः	AsmadeeyaiH	with ours	और हमारे पक्ष के	आमच्या पक्षातील
अपि	Api	Also with	भी	सुद्धा
योधमुख्यैः	Yodha-MukhaiH	warrior chiefs	प्रधान योद्धाओं के	प्रधान योद्धांसह

अन्वय :-

अमी च सर्वे धृतराष्ट्रस्य पुत्राः अवनिपालसंघैः सह एव , तथा भीष्मः द्रोणः असौ सूतपुत्रः अस्मदीयैः अपि योधमुख्यैः सह त्वाम् (विशन्ति) ॥ ११ - २६ ॥

English translation:-

These sons of Dhritarashtra, with hosts of kings (of the earth), Bhishma, Drona and Karna along with our warrior chiefs enter into your mouth.

हिन्दी अनुवाद :-

वे सभी धृतराष्ट्र के पुत्र राजाओं के समुदायसहित आप में प्रवेश कर रहे हैं और भीष्मपितामह द्रोणाचार्य तथा वह कर्ण और हमारे पक्ष के भी प्रधान योद्धाओं के सहित आप के मुख में प्रवेश कर रहे हैं।

मराठी भाषान्तर :-

आणि धृतराष्ट्राचे सर्व पुत्र , राजसमुदायासह भीष्म , द्रोण , कर्ण आणि आमच्या बाजूच्या मुख्य - मुख्य योध्यांसह तुमच्या तोंडात घुसत आहेत .

विनोबांची गीताई :-

अहा कसे हे धृतराष्ट्र - पुत्र घेऊनियां राज - समूह सारे
हे भीष्म हे द्रोण तसा चि कर्ण हे आमुचे वीर हि मुख्य मुख्य ॥ ११ - २६ ॥

वक्त्राणि ते त्वरमाणाः विशन्ति दंष्ट्राकरालानि भयानकानि ।

केचित् विलग्नाः दशनान्तरेषु संदृश्यन्ते चूर्णितैः उत्तमाङ्गैः ॥ ११ - २७ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
वक्त्राणि	Vak - traaNi	mouths	मुखों में	मुखांमध्ये
ते	Te	Your	आप के	आपल्या
त्वरमाणाः	TvaramaaNaaH	hurrying	बड़े वेग से दौडते हुए	मोठ्या वेगाने पळत असणारे
विशन्ति	Vishanti	enter	प्रवेश कर रहे हैं	प्रवेश करीत आहेत
दंष्ट्राकरालानि	DamShTraa-Karaalaani	with terrible tusks	दाढों के कारण विकराल	दाढांमुळे विक्राळ
भयानकानि	Bhayaanakaani	fearful to behold	भयानक	भयानक
केचित्	Kechit	some	और कई एक	काही
विलग्नाः	VilagnaaH	sticking	लगे हुए	चिकटलेले
दशनान्तरेषु	Dashana-antareShu	in gaps between teeth	दाँतों के बीच में	आपल्या दातांच्यामध्ये
संदृश्यन्ते	Sandrishyante	are seen	दीख रहे हैं	दिसून येत आहेत
चूर्णितैः	ChurNitaiH	crushed to powder	चूर्ण हुए	चूर्ण झालेल्या
उत्तमाङ्गैः	UttamaangaiH	with their heads	सिरों सहित आप के	मस्तकांसहित

अन्वय :-

ते दंष्ट्राकरालानि भयानकानि वक्त्राणि त्वरमाणाः विशन्ति, केचित् दशनान्तरेषु विलग्नाः चूर्णितैः उत्तमाङ्गैः (युक्ताः) संदृश्यन्ते ॥ ११ - २७ ॥

English translation:-

They hurriedly enter into Your mouth, terrible with tusks and fearful to behold. Some are found sticking in the gaps between the teeth with their heads crushed to powder (pulverized).

हिन्दी अनुवाद :-

वे सब - के - सब आप के दाढों के कारण विकराल भयानक मुखों में बडे वेग से दौडते हुए प्रवेश कर रहे हैं और कई एक चूर्ण हुए सिरों सहित आप के दाँतों के बीच में लगे हुए दीख रहे हैं।

मराठी भाषान्तर :-

आपल्या विक्राळ दाढांच्या भयंकर तोंडात, हे वीर धडाधड घुसत आहेत; आणि काही दातांमध्ये अडकून मस्तकांचा चुराडा झालेले, असे दृष्टीस पडत आहेत.

विनोबांची गीताई :-

ज़ाती त्वरेनें तुझ्या मुखांत भयाण जीं भ्यासुर ज्यांत दाढा
दांतांत कांहीं शिरलीं शिरें जीं त्यांचें जसें पीठ चि पाहतों मी ॥ ११ - २७ ॥

यथा नदीनाम् बहवः अम्बुवेगाः समुद्रम् एव अभिमुखाः द्रवन्ति ।

तथा तव अमी नरलोकवीराः विशन्ति वक्त्राणि अभि - विज्वलन्ति ॥ ११ - २८ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
यथा	Yathaa	as	जैसे	ज्याप्रमाणे
नदीनाम्	Nadeenaam	of rivers	नदियों के	नद्यांचे
बहवः	BahavaH	many	बहुत से	पुष्कळसे
अम्बुवेगाः	AmbuvegaaH	water currents	जल के प्रवाह	पाण्याचे प्रवाह
समुद्रम्	Samudram	to the ocean	समुद्र के	समुद्राकडे
एव	Eva	verily / alone	ही	च
अभिमुखाः	AbhimukhaaH	towards	सम्मुख	संमुख होऊन
द्रवन्ति	Dravanti	flow	दौडते हैं अर्थात् समुद्र में प्रवेश करते हैं	धावतात
तथा	Tathaa	similarly	वैसे ही	त्याप्रमाणे
तव	Tava	Your	आप के	आपल्या
अमी	Amee	these	वे	ते
नरलोकवीराः	Nara-lokaveeraaH	heroes in the world of men	नर लोक के वीर भी	नरलोकातील श्रेष्ठ वीर
विशन्ति	Vishanti	enter	प्रवेश कर रहे हैं	प्रवेश करीत आहेत
वक्त्र - त्राणि	Vak-TraaNi	mouths	मुखों में	मुखांमध्ये
अभि - विज्वलन्ति	Abhi-vijvalayanti	blazing with flames	प्रज्वलित	प्रज्वलित

अन्वय :-

यथा नदीनाम् बहवः अम्बुवेगाः अभिमुखाः समुद्रम् एव द्रवन्ति , तथा अमी नरलोकवीराः तव अभि – विज्वलन्ति वक् - त्राणि विशन्ति ॥ ११ - २८ ॥

English translation:-

As many torrents of rivers rush towards the ocean, similarly these heroes in the world of men enter Your fiercely blazing mouths with flames.

हिन्दी अनुवाद :-

जैसे नदियों के बहुत से जल के प्रवाह स्वाभाविक ही समुद्र के ही सम्मुख दौडते हैं अर्थात् समुद्र में प्रवेश करते हैं वैसे ही वे नरलोक के वीर भी आप के प्रज्वलित मुखों में प्रवेश कर रहे हैं।

मराठी भाषान्तर :-

ज्याप्रमाणे नद्यांचे मोठमोठे जलप्रवाह समुद्राकडेच धाव घेतात ; त्याचप्रमाणे मनुष्यलोकातील हे वीर आपल्या धडाडून पेटलेल्या तोंडात प्रवेश करीत आहेत .

विनोबांची गीताई :-

ज़से नद्यांचे सगळे प्रवाह वेगें समुद्रांत चि धांव घेती

तसे तुझ्या हे जळत्या मुखांत धांवूनि ज़ाती नर - वीर सारे ॥ ११ - २८ ॥

यथा प्रदीप्तम् ज्वलनम् पतङ्गाः विशन्ति नाशाय समृद्धवेगाः ।

तथा एव नाशाय विशन्ति लोकाः तव अपि वक् - त्राणि समृद्धवेगाः ॥ ११ - २९ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
यथा	Yathaa	as	जैसे	ज्याप्रमाणे
प्रदीप्तम्	Pradeeptam	blazing	प्रज्वलित	प्रज्वलित
ज्वलनम्	Jvalanam	fire	अग्नि में	अग्नीमध्ये
पतङ्गाः	PatangaaH	moths	पतङ्ग	पतंग
विशन्ति	Vishanti	enter	प्रवेश करते हैं	प्रवेश करतात
नाशाय	Naashaaya	for destruction	मोहवश नष्ट होने के लिये	नष्ट होण्यासाठी
समृद्धवेगाः	Samruddha-vegaaH	With great speed	अति वेग से दौडते हुए	अति वेगाने
तथा	Tathaa	similarly	वैसे	त्याचप्रमाणे
एव	Eva	even / only	ही	ही
नाशाय	Naashaaya	for destruction	अपने नाश के लिये	स्वतःचा नाश करून घेण्यास
विशन्ति	Vishanti	enter	प्रवेश कर रहे हैं	प्रवेश करीत आहेत
लोकाः	LokaaH	creatures	ये सब लोग	हे सर्व लोक
तव	Tava	Your	आप के	आपल्या
अपि	Api	also	भी	सुद्धा
वक् - त्राणि	Vak-traaNi	mouths	मुखों में	मुखांमध्ये
समृद्धवेगाः	Samruddha-vegaaH	with great speed	अति वेग से दौडते हुए	अति वेगाने

अन्वय :-

यथा पतङ्गाः समृद्धवेगाः नाशाय प्रदीप्तम् ज्वलनम् विशन्ति , तथा एव लोकाः समृद्धवेगाः नाशाय तव अपि वक्त्राणि विशन्ति ॥ ११ - २९ ॥

English translation:-

As moths rush headlong into a blazing fire for sheer destruction, similarly these creatures (people) enter with great speed into Your mouths for destruction.

हिन्दी अनुवाद :-

जैसे पतंग मोहवश नष्ट होने के लिये प्रज्वलित अग्नि में अतिवेग से दौडते हुए प्रवेश करते हैं , वैसे ही ये सब लोग भी अपने नाश के लिये आप के मुखों में अतिवेग से दौडते हुए प्रवेश कर रहे हैं ।

मराठी भाषान्तर :-

प्रदीप्त दीपांवर (अग्नीमध्ये) स्वनाशासाठी पतंग जसे वेगाने झडप घालतात , तसेच हे लोक नाश पावण्यासाठी तुमच्या मुखांमध्ये मोठ्या वेगाने शिरत आहेत .

विनोबांची गीताई :-

भरूनियां वेग ज़से पतंग घेती उद्या अग्नि - मुखीं मराया

तसे चि हे लोक तुझ्या मुखांत घेती उड्या वेग - भरें मराया ॥ ११ - २९ ॥

लेलिह्यसे ग्रसमानः समन्तात् लोकान् समग्रान् वदनैः ज्वलद्भिः ।

तेजोभिः आपूर्य जगत् समग्रम् भासः तव उग्राः प्रतपन्ति विष्णो ॥ ११ - ३० ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
लेलिह्यसे	Lelihyase	You lick	बार बार चाट रहे हैं	चाटत आहात
ग्रसमानः	GrasamaanaH	swallowing / devouring	ग्रास करते हुए	घास घेणारे
समन्तात्	Samantaat	from every side	सब ओर से	सर्व बाजूंनी
लोकान्	Lokaan	worlds	लोकों को	लोकांना
समग्रान्	Samagraan	all	सम्पूर्ण	संपूर्ण
वदनैः	VadanaiH	mouths	मुखों द्वारा	तोंडांच्या द्वारे
ज्वलद्भिः	Jvaladbhi	flaming	प्रज्वलित	प्रज्वलित
तेजोभिः	TejobhiH	with radiance	तेज के द्वारा	तेजाच्या द्वारे
आपूर्य	Aapurya	having filled	परिपूर्ण कर	परिपूर्ण करून
जगत्	Jagat	world	जगत् को	जगाला
समग्रम्	Samagram	entire	सम्पूर्ण	संपूर्ण
भासः	BhaasaH	rays	प्रकाश	प्रकाश
तव	Tava	Your	आपका	आपला
उग्राः	UgraaH	fierce	उग्र	उग्र
प्रतपन्ति	Pratapanti	are burning	तपा रहा है	तापवीत आहे
विष्णो	VishNo	O Vishnu!	हे विष्णो !	हे विष्णू !

अन्वय :-

हे विष्णो ! समन्तात् ज्वलद्भिः वदनैः समग्रान् लोकान् ग्रसमानः (त्वम्) लेलिह्यसे, तव उग्राः भासः तेजोभिः समग्रम् जगत् आपूर्य प्रतपन्ति ॥ ११ - ३० ॥

English translation:-

O Vishnu, swallowing all the people on every side with flaming mouths; I find You are indeed licking them. Your fierce rays, filling the entire world with radiance are burning them.

हिन्दी अनुवाद :-

आप उन सम्पूर्ण लोकों को प्रज्वलित मुखों द्वारा ग्रास करते हुए सब ओर से बार - बार चाट रहे हैं, हे विष्णो ! आप का उग्र प्रकाश सम्पूर्ण जगत् को तेज के द्वारा परिपूर्ण कर तपा रहा है।

मराठी भाषान्तर :-

हे विष्णो ! पेटलेल्या मुखांनी सर्व लोकांना सभोवार गिळून टाकीत, आपण वारंवार जिभा चाटीत आहात. आपली उग्र कांती, आपल्या तेजाने संपूर्ण त्रिभुवनाला व्यापून टाकून, तापवीत (तळपत) आहे.

विनोबांची गीताई :-

समस्त लोकांस गिळूनि ओंठ तूं चाटिसोसी ज्वळत्या जिभांनीं
वेढूनि विश्वास समग्र तेजें भाज़े प्रभो उग्र तुझी प्रभा ही ॥ ११ - ३० ॥

आख्याहि मे कः भवान् उग्ररूपः नमः अस्तु ते देववर प्रसीद ।

विज्ञातुम् इच्छामि भवन्तम् आद्यम् न हि प्रजानामि तव प्रवृत्तिम् ॥ ११ - ३१ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
आख्याहि	Aakhyaahi	Let (me) know	बतलाइये कि	सांगा
मे	Me	to me	मुझे	मला
कः	KaH	who	कौन हैं ?	कोण आहात ?
भवान्	Bhavaan	You (are)	आप	आपण
उग्ररूपः	UgraroopaH	fierce in form	उग्ररूपवाले	उग्ररूप धारण करणारे
नमः	NamaH	salutation	नमस्कार	(माझा) नमस्कार
अस्तु	Astu	let there be	हो	असो
ते	Te	to You	आप को	आपणास
देववर	Devavara	O supreme God	हे देवों में श्रेष्ठ !	हे देवश्रेष्ठा !
प्रसीद	Praseeda	have mercy	आप प्रसन्न होइये	(आपण) प्रसन्न व्हा !
विज्ञातुम्	Vidnyaatum	to know	विशेषरूप से जानना	विशेषरूपाने जाणून घेण्याची
इच्छामि	Ichchhaami	I desire	चाहता हूँ	(मला) इच्छा आहे
भवन्तम्	Bhavantam	You	आप को	आपणास
आद्यम्	Aadyam	the original being	आदिपुरुष	आदिपुरुष अशा
न	Na	not	नहीं	नाही
हि	Hi	indeed	क्योंकि मैं	कारण
प्रजानामि	Prajanaami	I know	जानता	मला कळत
तव	Tava	Your	आप की	आपली
प्रवृत्तिम्	Pravruttim	true nature	प्रवृत्ति को	प्रवृत्ती

अन्वय :- हे देववर ! ते नमः अस्तु , (त्वम्) प्रसीद , भवान् उग्ररूपः कः (अस्ति)? (तत्) मे आख्याहि । (अहम्) आद्यम् भवन्तम् विज्ञातुम् इच्छामि । तव प्रवृत्तिम् हि (अहम्) न प्रजानामि ॥ ११ - ३१॥

English translation:-

Please let me know who You are in such a fierce form. Salutation to You, O Supreme God ! have mercy on me. I want to know You the Primeval. I fail to understand Your true nature.

हिन्दी अनुवाद :-

मुझे बतलाइये कि आप उग्ररूपवाले कौन हैं? हे देवों में श्रेष्ठ! आप को नमस्कार हो। आप प्रसन्न होइये। आदिपुरुष आप को मैं विशेषरुप से जानना चाहता हूँ, क्योंकि मैं आप की प्रवृत्ति को नहीं जानता।

मराठी भाषान्तर :-

हे देवादिदेवा ! आपल्याला नमस्कार करतो . आपण माझ्यावर प्रसन्न व्हा . उग्र रूप धारण करणारे आपण कोण आहात ? हे मला सांगा . आपण आदिपुरुष कोण , हे तत्त्वतः जाणण्याची मला इच्छा आहे . आपली ही लीला मला बिलकूल समजत नाही .

विनोबांची गीताई :-

सांगा असां कोण तुम्ही भयाण नमूं तुम्हां देव - वरा न कोपा
ज्ञाणावया उत्सुक आदि देवा ध्यानीं न ये कीं करणी कशी ही ॥ ११ - ३१॥

श्री भगवान् उवाच ।

कालः अस्मि लोकक्षयकृत् प्रवृद्धः लोकान् समाहर्तुम् इह प्रवृत्तः ।

ऋते अपि त्वाम् न भविष्यन्ति सर्वे ये अवस्थिताः प्रत्यनीकेषु योधाः ॥ ११ - ३२॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
श्री भगवान्	Shree Bhagavaan	The Blessed Lord	श्री भगवान् ने	श्री भगवान
उवाच	Uvaacha	Said	कहा	उत्तरले
कालः	KaalaH	time	महाकाल	महाकाल
अस्मि	Asmi	I am	मैं हूँ	आहे
लोकक्षयकृत्	Lokakshaya-krutaH	destroying worlds	लोकोंका नाश करनेवाला	लोकांचा नाश करणारा
प्रवृद्धः	PravriddhaH	mighty	बढा हुआ	वाढलेला असा
लोकान्	Lokaan	worlds	इन लोकों को	या लोकांना
समाहर्तुम्	Samaahartum	to annihilate	नष्ट करने के लिये	नष्ट करण्यासाठी
इह	Iha	here	इस समय	या समयी
प्रवृत्तः	PravruttaH	engaged	प्रवृत्त हुआ हूँ	मी प्रवृत्त झालो आहे
ऋते	Rite	without	बिना	शिवाय
अपि	Api	even	भी	सुद्धा
त्वाम्	Tvaam	you	तेरे	तुला
न	Na	not	नहीं	नाहीत
भविष्यन्ति	Bhavishyanti	shall be	रहेंगे	राहणार
सर्वे	Sarve	all	वे सब	सर्व
ये	Ye	these	इसलिये	जे
अवस्थिताः	AvasthitaaH	arrayed	स्थित	स्थित असणारे
प्रत्यनीकेषु	Pratyanee-keShu	in opposing hostile armies	प्रतिपक्षियों की सेना में	शत्रूपक्षीय सैन्यामध्ये
योधाः	YodhaaH	warriors	जो योद्धा लोग हैं	योद्धे

अन्वय :- श्री भगवान् उवाच – (अहम्) लोकक्षयकृत् प्रवृद्धः कालः अस्मि , इह लोकान् समाहर्तुम् प्रवृत्तः (अस्मि) , त्वाम् ऋते अपि प्रत्यनीकेषु ये योधाः अवस्थिताः , (ते) सर्वे न भविष्यन्ति ॥ ११ - ३२॥

English translation:-

The Blessed Lord said, "I am the mighty world-destroying time engaged here in annihilating the worlds. Even without you all these warriors arrayed in the opposing armies shall not survive."

हिन्दी अनुवाद :-

श्री भगवान् बोले , " मैं लोकों का नाश करनेवाला बढा हुआ महाकाल हूँ । इस समय इन लोकों को नष्ट करने के लिये प्रवृत्त हुआ हूँ इसलिये जो प्रतिपक्षियों की सेना में स्थित योद्धा लोग हैं वे सब तेरे बिना भी नहीं रहेंगे अर्थात् तेरे युद्ध न करने पर भी इन सब का नाश हो जायगा ।"

मराठी भाषान्तर :-

श्री भगवान म्हणाले , " मी लोकांचा नाश करणारा , वृद्धिंगत झालेला महाकाळ आहे . येथे लोकांचा संहार करण्यास मी प्रवृत्त झालो आहे . तू नसलास तरी (तुझ्या युद्ध प्रयत्नांशिवाय) शत्रू सैन्यात उभे असलेले सर्व योद्धे वाचणार नाहीत ."

विनोबांची गीताई :-

मी काल लोकांतक वाढलेला भक्षावया सिद्ध इथें जनांस
हे नष्ट होतील तुझ्या विना हि झाले उभे जे उभयत्र वीर ॥ ११ - ३२॥

तस्मात् त्वम् उत्तिष्ठ यशः लभस्व जित्वा शत्रून् भुङ्-क्ष्व राज्यम् समृद्धम् ।
मया एव एते निहताः पूर्वम् एव निमित्तमात्रम् भव सव्यसाचिन् ॥ ११ - ३३॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
तस्मात्	Tasmaat	therefore	इसलिये	म्हणून
त्वम्	Tvam	you	तुम	तू
उत्तिष्ठ	UttiShTha	arise	उठो	उठ
यशः	YashaH	fame	यश	यश
लभस्व	Labhasva	acquire	प्राप्त करो	प्राप्त करून घे
जित्वा	Jitvaa	having conquered	जीतकर	जिंकून
शत्रून्	Shatroon	enemies	और शत्रुओं को	शत्रूंना
भुङ्-क्ष्व	Bhukshva	enjoy	भोग लो	भोग
राज्यम्	Raajyam	kingdom	राज्य का	राज्य
समृद्धम्	Samruddham	prosperous	धन - धान्य से सम्पन्न	धनधान्याने संपन्न
मया	Mayaa	by Me	मेरे द्वारा	माझ्याकडून
एव	Eva	only	ही	केवळ
एते	Ete	these	ये सब शूरवीर	हे (सर्व शूरवीर)
निहताः	NihataaH	have been slain	मारे हुए हैं	मारले गेलेले आहेत
पूर्वम्	Purvam	already	पहले से	अगोदर
एव	Eva	verily	ही	च
निमित्तमात्रम्	Nimitta-maatram	mere instrument	तुम तो केवल निमित्तमात्र	निमित्तमात्र
भव	Bhava	be	बन जाओ	तू हो
सव्यसाचिन्	Savya-saachin	ambidexterous (Arjun was able to use both hands equally well in any task.)	हे सव्यसाचिन् !	हे सव्यसाची अर्जुना !

अन्वय :-

तस्मात् हे सव्यसाचिन् ! त्वम् उत्तिष्ठ , यशः लभस्व , शत्रून् जित्वा समृद्धम् राज्यम् भुङ्क्ष्व । मया एव एते पूर्वम् एव निहताः , (त्वम्) निमित्तमात्रम् भव ॥ ११ - ३३ ॥

English translation:-

Therefore, you arise and acquire fame. Having conquered foes, enjoy the prosperous kingdom. Verily, they have been already slain by Me, you try to be a mere instrument, O ambidexterous.

हिन्दी अनुवाद :-

अत एव तुम उठो ! यश प्राप्त करो और शत्रुओं को जीतकर धन - धान्य से सपन्न राज्य को भोगो । ये सब शूरवीर पहेले ही से मेरे द्वारा मारे हुए हैं । हे सव्यसाचिन् ! तुम तो केवल निमित्तमात्र बन जाओ ।

मराठी भाषान्तर :-

म्हणून हे सव्यसाची अर्जुना ! तू ऊठ , यश मिळव आणि शत्रूंना जिंकून समृद्ध राज्याचा उपभोग घे . मी यांना पूर्वीच ठार मारले आहे , म्हणून तू केवळ निमित्तमात्र हो .

विनोबांची गीताई :-

म्हणूनि तूं ऊठ मिळीव कीर्ति जिंकूनि निष्कंटक राज्य भोगीं
मीं मारिले हे सगळे चि आधीं निमित्त हो केवळ सव्य - साची ॥ ११ - ३३ ॥

द्रोणम् च भीष्मम् च जयद्रथम् च कर्णम् तथा अन्यान् अपि योधवीरान्।

मया हतान् त्वम् जहि मा व्यथिष्ठाः युध्यस्व जेतासि रणे सपत्नान्॥ ११ - ३४॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
द्रोणम्	Donam	Drona	द्रोणाचार्य	द्रोणाचार्य
च	Cha	and	और	आणि
भीष्मम्	BheeShmam	BheeShma	भीष्म पितामह	भीष्म पितामह
च	Cha	and	तथा	आणि
जयद्रथम्	Jayadratham	Jayadratha	जयद्रथ	जयद्रथ
च	Cha	and	और	आणि
कर्णम्	KarNam	Karna	कर्ण	कर्ण
तथा	Tathaa	and	तथा	तसेच
अन्यान्	Anyaan	others	और बहुत से	बरेचसे (शूरवीर योद्धे)
अपि	Api	Also / already	भी	सुद्धा
योधवीरान्	Yodhaveeraan	heroic warriors	शूरवीर योद्धाओं को	शूरवीर योद्धांना
मया	Mayaa	by Me	मेरे द्वारा	माझाकडून
हतान्	Hattan	slain	मारे हुए	मारले गेले आहेत
त्वम्	Tvam	you	तुम	तू
जहि	Jahi	kill	नष्ट करो	ठार कर
मा	Maa	not	मत	नको
व्यथिष्ठाः	VyathiShThaaH	be distressed	भय करो	मुळीच भिऊ (नकोस)
युध्यस्व	Yudhyasya	fight	इसलिये तुम युद्ध करो	युद्ध कर
जेतासि	Jetaasi	You shall conquer	निःसंदेह तुम जीतोगे	तू निश्चित जिंकशील
रणे	RaNe	in battle	युद्ध में	युद्धामध्ये
सपत्नान्	Sapatnaan	the enemies	शत्रु लोगों को	वैऱ्यांना

अन्वय :-

त्वम् द्रोणम् च भीष्मम् च जयद्रथम् च कर्णम् तथा मया हतान् अन्यान् अपि योधवीरान् जहि, मा व्यथिष्ठाः, युध्यस्व, रणे सपत्नान् जेतासि ॥ ११ - ३४ ॥

English translation:-

Slay Drona, Bheeshma, Jayadratha and Karna as well as other brave and heroic warriors who have been already slain by me. Be not stressed with fear. Fight this righteous battle and you will certainly conquer your enemies.

हिन्दी अनुवाद :-

द्रोणाचार्य, भीष्मपितामह, जयद्रथ, कर्ण तथा और भी बहुत से मेरे द्वारा मारे हुए शूरवीर योद्धाओं को तुम मार डालो। किसी भी बातका भय मत करना। निःसन्देह तुम युद्धमें वैरियों को सहज जीत लोगे। इसलिये तुम युद्ध करो।

मराठी भाषान्तर :-

द्रोण, भीष्म, जयद्रथ, कर्ण तसेच इतरही अनेक वीर मी पूर्वीच ठार मारलेले आहेत. त्यांना तू ठार मार. तू दुःखी - कष्टी होऊ नकोस. युद्ध कर. तू लढाईत शत्रूंना निश्चित जिंकशील.

विनोबांची गीताई :-

द्रोणास भीष्मास जयद्रथास कर्णादि वीरांस रणांगणांत
मीं मारिलेल्यांस फिरुनि मारीं निःशंक झुंजें जय तो तुझा चि ॥ ११ - ३४॥

सञ्जय उवाच ।

एतत् श्रुत्वा वचनम् केशवस्य कृताञ्जलिः वेपमानः किरीटी ।

नमस्कृत्वा भूयः एव आह कृष्णम् सगद्गदम् भीतभीतः प्रणम्य ॥ ११ - ३५॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
सञ्जय	Sanjaya	Sanjaya	सञ्जय ने	संजय
उवाच	Uvaacha	said	कहा	म्हणाला
एतत्	Etat	this	इस	हे
श्रुत्वा	Shrutvaa	having heard	सुनकर	ऐकल्यावर
वचनम्	Vachanam	speech	वचन को	वचन
केशवस्य	Keshavasya	of Keshava	श्रीकृष्ण भगवान् के	भगवान केशवाचे
कृताञ्जलिः	Kruta-AnjaliH	with joined palms	हाथ जोडकर	हात जोडून
वेपमानः	VepamaanaH	trembling	काँपता हुआ	थरथर कापत
किरीटी	Kireetee	the crowned one / Arjuna	मुकुटधारी अर्जुन	मुकुटधारी अर्जुन
नमस्कृत्वा	Namaskrutvaa	prostrating himself	नमस्कार कर	नमस्कार करून
भूयः	BhuyaH	again	फिर	पुन्हा
एव	Eva	even / verily	भी	सुद्धा
आह	Aaha	spoke	बोला	म्हणाला
कृष्णम्	KrishNam	to Krishna	श्रीकृष्ण के प्रति	भगवान श्री कृष्णाला
सगद्गदम्	Sagad-gdam	in a choked voice	गद्गद वाणी से	गद् गद् वाणीने
भीतभीतः	BheetbheetaH	overwhelmed with fear	भयभीत होकर	भयभीत होऊन
प्रणम्य	PraNamya	having bowed	प्रणाम कर	प्रणाम करून

अन्वय :- सञ्जय उवाच - केशवस्य एतत् वचनम् श्रुत्वा, वेपमानः किरीटी कृताञ्जलिः कृष्णम् नमः कृत्वा, भीतभीतः प्रणम्य (च), भूयः एव सगद्गदम् आह ॥ ११ - ३५ ॥

English translation:-

Sanjaya said, "Having heard the speech of Krishna, the crowned one (Arjuna) with joined palms, trembling, prostrating himself, again addressed Krishna in a choked voice, bowing down, overwhelmed with fear."

हिन्दी अनुवाद :-

संजय ने कहा, " भगवान् श्रीकृष्ण के इस वचन को सुनकर मुकुटधारी अर्जुन हाथ जोडकर काँपता हुआ नमस्कार कर फिर भी अत्यन्त भयभीत होकर प्रणाम कर भगवान् श्रीकृष्ण के प्रति गद् - गद् वाणी से बोला।"

मराठी भाषान्तर :-

संजय म्हणाला, " श्रीभगवंताचे हे वाक्य ऐकून, थरथरा कापणारा अर्जुन, हात जोडून श्रीकृष्णाला नमस्कार करीत, भयभीत झाल्यामुळे नम्र होऊन, दाटून आलेल्या कंठाने पुनः असे म्हणाला."

विनोबांची गीताई :-

ऐकूनि हें अर्जुन कृष्ण वाक्य भ्याला ज़सा कांपत हात ज़ोडी

कृष्णास वंदूनि पुनश्च बोले लवूनियां तेथ गळा भरूनि ॥ ११ - ३५॥

अर्जुन उवाच ।

स्थाने हृषीकेश तव प्रकीर्त्या जगत् प्रहृष्यति अनुरज्यते च ।

रक्षांसि भीतानि दिशः द्रवन्ति सर्वे नमस्यन्ति च सिद्धसङ्घाः ॥ ११ - ३६ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अर्जुन उवाच	Arjuna Uvaacha	Arjuna said	अर्जुन ने कहा	अर्जुन म्हणाला
स्थाने	Sthaane	It is right / quite naturally	यह योग्य ही है कि	योग्य आहे
हृषीकेश	Hrusheekesha	O Krishna!	हे अन्तर्यामिन् !	हे अंतर्यामी !
तव	Tava	Your	आप के	आपल्या
प्रकीर्त्या	Prakeertyaa	by praise	नाम गुण और प्रभाव के कीर्तन से	नाम, गुण आणि प्रभाव यांच्या कीर्तनाने
जगत्	Jagat	world	जगत्	जग
प्रहृष्यति	PrahruShyati	is delighted	अति हर्षित हो रहा है	अतिशय आनंदित होत आहे
अनुरज्यते	Anurajyate	rejoices	अनुराग को भी प्राप्त हो रहा है	आपल्यावर अतिशय प्रेम करू लागते
च	Cha	and	और	आणि
रक्षांसि	Rakshaamsi	demons	राक्षस लोग	राक्षसगण
भीतानि	Bheetaani	in fear	तथा भयभीत	भयभीत
दिशः	DishaH	in all directions	दिशा ओं में	दिशादिशांत
द्रवन्ति	Dravanti	flee	भाग रहे हैं	पळू लागले आहेत
सर्वे	Sarve	all	सब	सर्व
नमस्यन्ति	Namasyanti	bow to You	नमस्कार कर रहे हैं	आपणास नमस्कार करीत आहेत
च	Cha	and	और	आणि
सिद्धसङ्घाः	Siddha-sanghaaH	the hosts of perfected souls	सिद्ध गणों के समुदाय	सिद्धगण

अन्वय :- अर्जुन उवाच - हे हृषीकेश ! स्थाने तव प्रकीर्त्या जगत् प्रहृष्यति, अनुरज्यते च, भीतानि रक्षांसि दिशः द्रवन्ति, सर्वे च सिद्धसङ्घाः नमस्यति ॥ ११ - ३६ ॥

English translation:-

Arjuna said, "O Krishna, it is quite natural and quite right that the world is delighted and rejoices in Your praise; demons flee in fear in all directions and all the hosts of Siddhaas bow to You."

हिन्दी अनुवाद :-

अर्जुन ने कहा, " हे अन्तर्यामिन्! यह योग्य है कि आप के नाम गुण और प्रभाव के कीर्तन से जगत् अति हर्षित हो रहा है और अनुराग को भी प्राप्त हो रहा है तथा भयभीत राक्षसलोग दिशाओं में भाग रहे हैं और सब सिद्धगणों के समुदाय नमस्कार कर रहे हैं।"

मराठी भाषान्तर :-

अर्जुन म्हणाला, " हे श्रीकृष्णा, हे योग्यच आहे की आपले नाव, गुण आणि प्रभाव यांच्या वर्णनाने जग अतिशय आनंदित होते व तुमच्यावर अतिशय प्रेम करू लागते. तसेच भ्यालेले राक्षस दाही दिशांना पळून जात आहेत आणि सर्व सिद्धगणांचे समुदाय आपल्याला नमस्कार करीत आहेत हेही योग्यच आहे."

विनोबांची गीताई :-

जगीं तुझ्या युक्त चि कीर्तनानें आनंद लोटे अनुराग दाटे
भ्याले कसे राक्षस धांव घेती हे वंदिती सिद्ध समूह सारे ॥ ११ - ३६ ॥

कस्मात् च ते न नमेरन् महात्मन् गरीयसे ब्रह्मणः अपि आदिकर्त्रे ।

अनन्त देवेश जगन्निवास त्वम् अक्षरम् सत् असत् तत् परम् यत् ॥ ११ - ३७॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
कस्मात्	Kasmaat	why	कैसे	कसा बरे
च	Cha	and	और	आणि
ते	Te	To You	आप के लिये ये	आपणाला
न	Na	not	न	नाहीत
नमेरन्	Nameran	bow down	नमस्कार करें (क्योंकि)	नमस्कार करणार
महात्मन्	Mahaatman	O Exalted Self	हे महात्मन् !	हे महात्मन !
गरीयसे	Gareeyase	greater than all	सब से बड़े	सर्वांत श्रेष्ठ अशा
ब्रह्मणः	BrahmaNaH	of Brahma	ब्रह्मा के	ब्रह्मदेवाचा
अपि	Api	also / even	भी	सुद्धा
आदिकर्त्रे	Aadikartre	the primal cause / maker	आदिकर्ता	आदिकर्ता
अनन्त	Ananta	O Infinite Being!	हे अनन्त !	हे अनंता !
देवेश	Devesha	O Lord of gods!	हे देवेश !	हे देवेशा !
जगन्निवास	Jagannivaasa	O abode of the universe!	हे जगन्निवास !	हे जगन्निवासा !
त्वम्	Tvam	You	वह आप ही हैं	आपण
अक्षरम्	Aksharam	imperishable	अक्षर अर्थात् सच्चिदानन्दघन ब्रह्म है	अविनाशी (सच्चिदानंदघन) ब्रह्म
सत्	Sat	being	सत्	असणारे
असत्	Asat	non-being	और असत्	नसणारे
तत्	Tat	that	और उन से	त्यांच्या
परम्	Param	supreme	परे	पलीकडे
यत्	Yat	which	जो	जे

अन्वय :- हे महात्मन् ! हे अनन्त देवेश ! ब्रह्मणः अपि गरीयसे आदिकर्त्रे (तुभ्यम्) ते कस्मात् च न नमेरन् , हे जगन्निवास ! यत् सत् असत् (अस्ति) तत् परम् अक्षरम् त्वम् (असि) ॥ ११ - ३७॥

English translation:- O Exalted Self, and why should they not bow to you, greater than all, the Primal Cause even of Brahma, O Infinite Being, O Lord of gods, O Abode of the universe; You are the Imperishable, the being and the non-being, that which is the Supreme One.

हिन्दी अनुवाद :- हे महात्मन्! ब्रह्मा के भी आदिकर्ता और सब से बड़े आप के लिये वे कैसे नमस्कार न करें क्योंकि हे अनन्त ! हे देवेश ! हे जगन्निवास ! जो सत् असत् और उस से परे अक्षर अर्थात् सच्चिदानन्दघन ब्रह्म है वह आप ही है।

मराठी भाषान्तर :- हे महात्मन ! हे अनंता देवाधिदेवा ! ब्रह्मदेवाचे आदिकारण असलेल्या आणि ब्रह्मदेवापेक्षाही श्रेष्ठ अशा आपल्याला , ते का बरे नमस्कार करणार नाहीत ? हे जगन्निवासा ! जे सत् (अस्तित्वात असणारे) आणि असत् (अस्तित्वात नसणारे) आहे आणि त्या दोन्हीच्या पलीकडे जे अविनाशी तत्त्व (अक्षर) आहे , ते ही आपणच आहात .

विनोबांची गीताई :-

प्रभो न कां हे तुज वंदितील कर्त्यास कर्ता गुरू तूं गुरूस
आधार तूं अक्षर तूं अनंता आहेस नाहींस पलीकडे तूं ॥ ११ - ३७॥

त्वम् आदिदेवः पुरुषः पुराणः त्वम् अस्य विश्वस्य परम् निधानम् ।

वेत्ता असि वेद्यम् च परम् च धाम त्वया ततम् विश्वम् अनन्तरूप ॥ ११ - ३८॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
त्वम्	Tvam	You	आप	आपण
आदिदेवः	AadidevaH	The Primal God	आदिदेव	आदिदेव
पुरुषः	PuruShaH	Being	पुरुष हो	पुरुष
पुराणः	PuraaNaH	ancient	और सनातन	सनातन
त्वम्	Tvam	You	आप	आपण
अस्य	Asya	of (this)	इस	या
विश्वस्य	Vishvasya	of universe	जगत् के	जगाचे
परम्	Param	supreme	परम	परम स्थान
निधानम्	Nidhaanam	Refuge / Abode	आश्रय	आश्रय
वेत्ता	Vetta	knower	और जानने वाले	जाणणारा
असि	Asi	You are	हो	आहात
वेद्यम्	Vedyam	to be known	जानने योग्य	जाणण्यास योग्य
च	Cha	and	तथा	तसेच
परम्	Param	supreme	परम	श्रेष्ठ
च	Cha	and	और	आणि
धाम	Dhaama	Abode / Goal	धाम	निवासस्थान
त्वया	Tvayaa	By You	आप से	आपल्याकडून
ततम्	Tatam	is pervaded	व्याप्त अर्थात् परिपूर्ण है	व्याप्त
विश्वम्	Vishvam	the universe	यह सब जगत्	सर्व जग
अनन्तरूप	Ananta-roopa	O Being of infinite forms!	हे अनतरूप !	हे अनंतरूपा !

अन्वय :- त्वम् आदिदेवः, पुराणः पुरुषः, त्वम् अस्य विश्वस्य परम् निधानम्, (त्वम्) वेत्ता च वेद्यम् परम् धाम च असि । हे अनन्तरूप ! त्वया विश्वम् ततम् ॥ ११ - ३८ ॥

English translation:-

You are the Primal God, the Ancient Being; You are the Supreme Abode of all this universe, You are the Knower, That to be known and the Supreme refuge. By You the entire universe is pervaded, O Being of infinite forms.

हिन्दी अनुवाद :-

आप आदिदेव और सनातन पुरुष हैं आप इस जगत् के परम आश्रय और जानवाले तथा जाननेयोग्य और परम धाम हैं। हे अनन्तरूप! आप से यह सब जगत् व्याप्त अर्थात् परिपूर्ण है।

मराठी भाषान्तर :-

आपण आदिदेव, पुराणपुरूष आणि या जगाचे परम आधार आहात. आपण ज्ञाते आणि आपणच ज्ञेय आणि आपणच श्रेष्ठ स्थान आहात. हे अनंतरूपा! आपणच हे विश्व विस्तारले अथवा व्यापले आहे.

विनोबांची गीताई :-

देवादि तूं तूं चि पुराण आत्मा जगास ह्या अंतिम आसरा तूं
तूं ज्ञाणतोसी तुज मोक्ष - धामा विस्तारिसी विश्व अनंत - रूपा ॥ ११ - ३८॥

वायुः यमः अग्निः वरुणः शशाङ्कः प्रजापतिः त्वम् प्रपितामहः च ।

नमः नमः ते अस्तु सहस्रकृत्वः पुनः च भूयः अपि नमः नमः ते ॥ ११ - ३९॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
वायुः	VaayuH	Wind god	वायु	वायू
यमः	YamaH	God of death	यमराज	यम
अग्निः	AgniH	Fire god	अग्नि	अग्नी
वरुणः	VaruNaH	Sea god	वरुण	वरूण
शशाङ्कः	ShashaankaH	moon	चन्द्रमा	चंद्र
प्रजापतिः	PrajaapatiH	Brahma the creator god	प्रजा के स्वामी ब्रह्मा	ब्रह्मदेव (प्रजांचा स्वामी)
त्वम्	Tvam	You	आप	आपण
प्रपितामहः	Prapitaa-mahaH	Great grand-father	ब्रह्मा के भी पिता हो	ब्रह्मदेवाचे पिता
च	Cha	and	और	आणि
नमः	NamaH	salutation	नमस्कार	नमस्कार
नमः	NamaH	salutation	नमस्कार	नमस्कार
ते	Te	to You	आपके लिये	आपणास
अस्तु	Astu	be	हो	असो
सहस्रकृत्वः	Sahasra-kritvaa	thousand times	हजारों बार	हजार वेळा
पुनः	PunaH	again	बार	पुन्हा
च	Cha	and	बार	आणि
भूयः	BhuyaH	again	फिर	पुन्हा
अपि	Api	also / even	भी	आणखी
नमः	NamaH	salutation	नमस्कार	नमस्कार
नमः	NamaH	salutation	नमस्कार	नमस्कार असो
ते	Te	To You	आप के लिये	आपणास

अन्वय :- त्वम् वायुः , यमः , अग्निः , वरुणः , शशाङ्कः , प्रजापतिः च प्रपितामहः (असि) , ते सहस्रकृत्वः नमः नमः , पुनः च भूयः अपि ते नमः नमः अस्तु ॥ ११ - ३९ ॥

English translation:-

You are the wind god, god of death, fire god, sea god, moon god, Brahma the creator god and great-grandfather; salutation, salutation to You a thousand times, and again and again salutation, salutation to You.

हिन्दी अनुवाद :-

आप वायु यमराज अग्नि , वरूण , चन्द्रमा प्रजा के स्वामी ब्रह्मा और ब्रह्मा के भी पिता हैं । आप के लिये हजारों बार नमस्कार ! नमस्कार हो !! आप के लिये फिर भी बार बार नमस्कार ! नमस्कार !!

मराठी भाषान्तर :-

आपणच वायू , यम , अग्नी , वरुण , चंद्र , प्रजापती (ब्रह्मदेव) आणि सर्वांचे पणजोबा आपणच आहात . आपणाला हजारदा नमस्कार असो आणि वारंवार नमस्कार असो .

विनोबांची गीताई :-

तूं अग्नि तूं वायु समस्त देव प्रजापते तूं चि पिता वडील

असो नमस्कार सहस्र वार पुन्हां पुन्हां आणि पुन्हां पुन्हां हि ॥ ११ - ३९ ॥

नमः पुरस्तात् अथ पृष्ठतः ते नमः अस्तु ते सर्वतः एव सर्व ।

अनन्तवीर्य अमितविक्रमः त्वम् सर्वम् समाप्नोषि ततः असि सर्वः ॥ ११ - ४० ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
नमः	NamaH	salutation	नमस्कार हो	नमस्कार असो
पुरस्तात्	Purastaat	from front side	आगे से	पुढून
अथ	Atha	also	और	आणि
पृष्ठतः	PriShTaH	from back side	पीछे से भी	मागून
ते	Te	To You	आप के लिये	आपणास
नमः	NamaH	salutation	नमस्कार	नमस्कार
अस्तु	Astu	be	हो	असो
ते	Te	To You	आप के लिये	आपणास
सर्वतः	SarvataH	from every side	सब ओर से	सर्व बाजूंनी
एव	Eva	also	ही	च
सर्व	Sarva	O all (pervasive)!	हे सर्वात्मन् !	हे सर्वात्मन् !
अनन्तवीर्य	Ananta-Veerya	infinite in power	हे अनन्त सामर्थ्यवाले !	हे अनंत सामर्थ्ययुक्ता !
अमितविक्रमः	Amita-VikramaH	infinite in strength	क्योंकि हे अनन्त पराक्रमशाली !	हे अनंत पराक्रमशाली !
त्वम्	Tvam	You	आप	आपण
सर्वम्	Sarvam	all	सब संसार को	सर्व संसार
समाप्नोषि	SamaapnoShi	completely pervasive	व्याप्त किये हुए हो	व्यापून आहात
ततः	TataH	therefore	इस से आप ही	म्हणून
असि	Asi	You are	हो	आहात
सर्वः	SarvaH	all that encompasses the entire universe	सर्वरूप	सर्वरूप

अन्वय :- हे सर्व ! ते पुरस्तात् नमः , अथ ते पृष्ठतः नमः , ते सर्वतः एव नमः अस्तु , हे अनन्तवीर्य ! त्वम् अमितविक्रमः सर्वम् समाप्नोषि ततः सर्वः असि ॥ ११ - ४० ॥

English translation:-

Salutation to You from the front and the back sides, indeed salutation to You from all sides, O all pervasive Being. You are infinite in power, infinite in strength. You are complete in every respect and therefore You are all that encompasses the entire universe.

हिन्दी अनुवाद :-

हे अनन्त सामर्थ्यवाले ! आप के लिये आगे से और पीछे से भी नमस्कार ! हे सर्वात्मन् ! आप के लिये सब ओर से ही नमस्कार हो । क्योंकि अनन्त पराक्रमशाली आप समस्त संसार को व्याप्त किये हुए हैं , इस से आप हे सर्वरूप हैं ।

मराठी भाषान्तर :-

हे सर्वात्मका ! आपणास पुढून , पाठीमागून आणि सर्वच बाजूंनी नमस्कार असो . ज्याचे सामर्थ्य अनंत आणि पराक्रम अमर्याद आहे ; अशा आपण , सर्व विश्वाला व्यापून टाकले आहे आणि म्हणूनच आपण " सर्व " आहात .

विनोबांची गीताई :-

समोर मागें सगळीकडे चि असो नमस्कार जिथें जिथें तूं
उत्साह सामर्थ्य तुझें अनंत तूं सर्व कीं सर्व तुझ्या चि पोटीं ॥ ११ - ४० ॥

सखा इति मत्वा प्रसभम् यत् उक्तम् हे कृष्ण हे यादव हे सखे इति ।

अजानता महिमानम् तव इदम् मया प्रमादात् प्रणयेन वा अपि ॥ ११ - ४१ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
सखा	Sakhaa	friend	आप मेरे मित्र है	(आपण माझे) मित्र (आहात)
इति	Iti	as	ऐसा	असे
मत्वा	Matvaa	having regarded	मानकर	मानून
प्रसभम्	Prasabham	in rude and rash manner	निन्दास्वरूप	अपमानकारक
यत्	Yat	whatever	जो कुछ बिना सोचे - समझे	जे काही (विचार न करता)
उक्तम्	Uktam	said by me	मैने कहा है	म्हटले आहे
हे कृष्ण	He KriShNa	O Krishna!	हे कृष्ण !	हे कृष्णा !
हे यादव	He Yaadava	O Yadava!	हे यादव !	हे यादवा !
हे सखे	He Sakhe	O friend!	हे सखे !	हे मित्रा !
इति	Iti	thus	ऐसा	या प्रकारे
अजानता	Ajaanataa	unknowingly	न जानते हुए	न जाणता
महिमानम्	Mahimaanam	greatness	प्रभाव को	प्रभाव
तव	Tava	Your	आप के	आपला
इदम्	Idam	this	इस	हा
मया	Mayaa	by me	मैने	मी
प्रमादात्	Pramaadaat	from negligence and carelessness	भूल से (प्रमाद से)	चुकीने
प्रणयेन	PraNayena	due to love	प्रेम से	प्रेमाने
वा	Vaa	or	अथवा	अथवा
अपि	Api	even	भी	सुद्धा

अन्वय :-

तव इदम् महिमानम् अजानता मया सखा इति मत्वा, हे कृष्ण! हे यादव! हे सखे! इति प्रमादात् प्रणयेन वा अपि प्रसभम् यत् उक्तम् ॥ ११ - ४१॥

English translation:-

Having regarded You as a friend, whatever was said by me in a rude and rash manner addressing you as "O Krishna, O Yadava, O friend"; not knowing Your greatness either out of negligence or even out of love.

हिन्दी अनुवाद :-

आप के इस प्रभाव को न जानते हुए, आप मेरे मित्र हैं ऐसा मानकर प्रेम से अथवा प्रमाद से भी मैं ने हे कृष्ण! हे यादव! हे सखे! इस प्रकार जो भी कुछ बिना सोचे, बिना समझे, निन्दास्वरूप कहा है।

मराठी भाषान्तर :-

मी आपले हे माहात्म्य न ओळखल्यामुळे , अनवधानाने किंवा प्रेमामुळे आपल्या बरोबरीचा मित्र समजून " हे कृष्ण! हे यादव! हे सखे " असे मर्यादा सोडून, संबोधत आलो आहे.

विनोबांची गीताई :-

समान मानीं अविनीत भावें कृष्णा गड्या हांक अशी चि मारीं
न ज़ाणता हा महिमा तुझा मी प्रेमें प्रमादें बहु बोल बोलें ॥ ११ - ४१॥

यत् च अवहासार्थम् असत्कृतः असि विहार शय्या आसन भोजनेषु ।

एकः अथवा अपि अच्युत तत्समक्षम् तत् क्षामये त्वाम् अहम् अप्रमेयम् ॥ ११ - ४२॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
यत्	Yat	whatever	मेरे द्वारा जो कुछ बिना सोचे - समझे	जे (काही न विचार करता)
च	Cha	and	और	आणि
अवहासार्थम्	Avasaartham	for the sake of fun / jest	विनोदके लिये	विनोदाने
असत्कृतः	AsatkritaH	disrespectfully	अपमानित किये गये	(आपण माझ्याकडून) अपमानित
असि	Asi	You are	हैं	केले गेलात
विहार	Vihaara	(while at) play	विहार	विहार
शय्या	Shayyaa	(in) bed	शय्या	शय्या
आसन	Aasana	(while) seated	आसन	आसन
भोजनेषु	BhojaneShu	(or at) meals	भोजन इत्यादि	भोजन इत्यादी गोष्टींमध्ये
एकः	EkaH	alone	अकेले	एकटे असताना
अथवा	Athavaa	or	अथवा	अथवा
अपि	Api	even	भी	सुद्धा
अच्युत	Achyuta	O Lord Krishna	हे अच्युत ! आप	कर्तव्याला कधीही न चुकणाऱ्या हे श्रीकृष्णा !
तत्समक्षम्	Tatsamksham	in company	उन सखाओं के सामने	सर्वांच्या समोर
तत्	Tat	that	वह सब अपराध	त्या सर्व अपराधांची
क्षामये	Kshaamaye	implore to forgive	क्षमा चाहता हूँ	क्षमा मागत आहे
त्वाम्	Tvaam	to You	आप से	आपणापाशी
अहम्	Aham	I	मैं	मी
अप्रमेयम्	Aprameyam	immeasurable	अचिन्त्य प्रभाववाले	अचिंत्य प्रभाव असणाऱ्या

अन्वय :-

हे अच्युत ! यत् च विहार शय्या आसन भोजनेषु अवहासार्थम् एकः अथवा तत्समक्षम् असत्कृतः अपि असि , तत् अहम् अप्रमेयम् त्वाम् क्षामये ॥ ११ - ४२॥

English translation:-

O Lord Krishna, in whatever manner You have been insulted by me in jest, while playing, reposing, sitting or at meals; while being alone or in a gathering, I implore You the immeasurable to forgive me.

हिन्दी अनुवाद :-

आप जो मेरे द्वारा विनोद के लिये विहार , शय्या , आसन और भोजनादि में अकेले अथवा उन मित्रों के सामने भी अपमानित किये गये हैं - वह सब अपराध , अप्रमेयस्वरूप अर्थात् अचिन्त्य प्रभाववाले , आप से मैं क्षमा चाहता हूँ ।

मराठी भाषान्तर :-

हे अच्युता ! आहार - विहार करताना किंवा निजता - बसताना , एकटे असताना सुद्धा किंवा चारचौघात , मी जो काही थट्टेने आपला अपमान केला असेल , त्या सर्वाबद्दल अचिंत्यप्रभाव अशा आपली , मी क्षमा मागतो .

विनोबांची गीताई :-

खेळें निज़ें स्वैर चि खात बैसें चेष्टा करीं सर्व तुझ्या समोर

जनीं मनीं वा तुज़ तुच्छ लेखें क्षमा करीं भान तुझें कुणास ॥ ११ - ४२॥

पिता असि लोकस्य चर - अचरस्य त्वम् अस्य पूज्यः च गुरुः गरीयान् ।

न त्वत् - समः अस्ति अभि - अधिकः कुतः अन्यः लोकत्रये अपि अप्रतिम - प्रभाव ॥ ११ - ४३॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
पिता	Pitaa	father	पिता	पिता
असि	Asi	You are	हो	आहात
लोकस्य	Lokasya	of world	जगत् के	जगाचे
चर - अचरस्य	Chara-Charasya	Of moving and non-moving things	चराचर के	चराचर
त्वम्	Tvam	You	आप	आपण
अस्य	Asya	of this	इस	या
पूज्यः	PuujyaH	to be worshipped	अति पूजनीय	पूजनीय
च	Cha	and	और	आणि
गुरुः	GuruH	the great	गुरू	गुरू
गरीयान्	Gareeyaan	Greater than	सब से बड़े	सर्वांत श्रेष्ठ
न	Na	Na	नहीं	नाही
त्वत् - समः	Tvat-SamaH	equal to you	आप के समान	आपल्या सारखा
अस्ति	is	is	है	आहात
अभि - अधिकः	AbhyadhikaH	Superior to You	फिर अधिक तो	अधिकतर
कुतः	KutaH	whence	कैसे हो सकता है ?	कसा असू शकेल ?
अन्यः	AnyaH	another	दूसरा कोई	दुसरा
लोकत्रये	Lokatraye	in the three worlds	तीनों लोकों में	तिन्ही लोकांत
अपि	Api	also / even	भी	सुद्धा
अप्रतिमप्रभाव	Apratim-prabhaav	O Being of incomparable power!	हे अनुपम प्रभाववाले !	हे अतुल प्रभावशीला !

अन्वय :- हे अप्रतिमप्रभाव ! त्वम् अस्य चर - अचरस्य लोकस्य पिता , गरीयान् पूज्यः गुरुः च असि , लोकत्रये अपि त्वत् - समः न अस्ति , कुतः अभि - अधिकः अन्यः ? ॥ ११ - ४३॥

English translation:-

O Being of incomparable power, You are the father of this world, of the moving and non-moving things. You are worthy to be worshipped being greater than the greatest. There is none equal to You, how is it possible that anyone can excel You in these three worlds - the heaven, the earth and the hell.

हिन्दी अनुवाद :-

आप इस चराचर जगत् के पिता और सबसे बडे गुरु एवं अति पूजनीय हैं। हे अनुपम प्रभाववाले ! तीनों लोको में आप के समान भी दुसरा कोई नहीं है ; फिर अधिक तो कैसे हो सकते है।

मराठी भाषान्तर :-

ज्याचे सामर्थ्य तुलनातीत आहे असे आपण , सर्व चराचर विश्वाचे पिता असून , सर्वांना पूज्य आहात आणि गुरूंच्चेही श्रेष्ठ गुरू आहात . त्रैलोक्यात आपल्या बरोबरीचे कोणी नाही , मग आपल्याहून अधिक श्रेष्ठ कोण असणार ?

विनोबांची गीताई :-

आहेस तूं बाप चराचरास आहेस मोठी गुरु - देवता तूं

तुझी न ज़ोडी तुज़ कोण मोडी तिन्ही जगीं ह्या उपमा चि थोडी ॥ ११ - ४३॥

तस्मात् प्रणम्य प्रणिधाय कायम् प्रसादये त्वाम् अहम् ईशम् ईड्यम् ।

पिता इव पुत्रस्य सखा इव सख्युः प्रियः प्रियायाः अर्हसि देव सोढुम् ॥ ११ - ४४॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
तस्मात्	Tasmaat	therefore	अत एव हे प्रभो !	म्हणून
प्रणम्य	PraNamya	saluting	प्रणाम कर भलीभाँति	प्रणाम करून
प्रणिधाय	PaNidhaaya	having bent	चरणोंमें निवेदित कर	चांगल्याप्रकारे आपल्या चरणी अर्पण करून
कायम्	Kaayam	body	शरीर को	शरीर
प्रसादये	Prasaadaye	seek your forgiveness	प्रसन्न होने के लिये प्रार्थना करता हूँ	प्रसन्न व्हावे
त्वाम्	Tvaam	You	आप	आपण
अहम्	Aham	I	मैं	मी
ईशम्	Isham	Lord	ईश्वर को	ईश्वराने
ईड्यम्	Idyam	adorable	स्तुति करने योग्य	स्तुती करण्यास योग्य
पिता	Pitaa	father	पिता	पिता
इव	eva	like	जैसे	जसा
पुत्रस्य	Putrasya	of son	पुत्र के	पुत्राचे
सखा	Sakhaa	friend	मित्र	मित्र
इव	eva	like	जैसे	जसा
सख्युः	SakhyuH	Of friend	मित्र के	मित्राचे
प्रियः	PriyaH	lover	और पति जैसे	पती
प्रियायाः	PriyaayaaH	to the beloved	प्रिय पत्नी के अपराध सहन करता है	प्रिय पत्नीचे (अपराध सहन करतो)
अर्हसि	Arhasi	You should	(वैसे ही आप भी मेरे अपराध को सहन करने) योग्य हो	(तसे आपण सुद्धा माझे अपराध सहन करण्यास) योग्य आहात
देव	Deva	O God!	हे देव !	हे देवा !
सोढुम्	Sodhum	to bear	अपराध सहन करने	(अपराध) सहन करण्यास

अन्वय :- हे देव ! तस्मात् कायम् प्रणिधाय, प्रणम्य, अहम् ईड्यम् ईशम् त्वाम् प्रसादये, पुत्रस्य (अपराधम्) पिता इव, सख्युः (अपराधम्) सखा इव, प्रियायाः (अपराधम्) प्रियः इव, (मम अपराधन्) सोढुम् (त्वम्) अर्हसि ॥ ११ – ४४ ॥

English translation:-

O adorable Lord, therefore bowing down, prostrating my body before You I implore You to forgive me. Bear with me O Lord, as a father with a son, as a friend with a friend and as a lover with the beloved.

हिन्दी अनुवाद :- अत एव हे प्रभो ! मैं अपने शरीर को भलिभाँति चरणों में निवेदित कर, प्रणाम कर, स्तुति करने योग्य आप ईश्वर को प्रसन्न होने के लिये प्रार्थना करता हूँ। हे देव ! पिता जैसे पुत्र के, मित्र जैसे मित्र के और पति जैसे प्रियतमा पत्नी के अपराध सहन करते हैं ; वैसे ही आप भी मेरे अपराध को सहन करने योग्य हैं।

मराठी भाषान्तर :-

म्हणून हे परमेश्वरा ! स्तुत्य आणि समर्थ असलेल्या आपणास साष्टांग नमस्कार करून मी आपली, प्रसन्न होण्यासाठी प्रार्थना करीत आहे. जसे वडील मुलाचे, मित्र मित्राचे आणि पती आपल्या प्रिय पत्नीचे अपराध सहन करतो ; तसेच आपण माझे अपराध सहन करण्यास समर्थ आहात.

विनोबांची गीताई :-

म्हणूनि लोटांगण घालितों मी प्रसन्न होईं स्तवनीय मूर्ते
क्षमा करीं बा मज़ लेंकरातें सखा सख्यातें प्रिय तूं प्रियातें ॥ ११ - ४४॥

अदृष्टपूर्वम् हृषितः अस्मि दृष्ट्वा भयेन च प्रव्यथितम् मनः मे ।
तत् एव मे दर्शय देव रूपम् प्रसीद देवेश जगन्निवास ॥ ११ - ४५॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अदृष्टपूर्वम्	AdruShTa-Puurvam	not seen before	पहले न देखे हुए आप के इस आश्चर्यमय रूप को	पूर्वी न पाहिलेले (आपले हे आश्चर्यमय रूप)
हृषितः	HruShitaH	delighted	(मैं) हर्षित	(मी) आनंदित
अस्मि	Asmi	(I) am	हो रहा हूँ	होत आहे
दृष्ट्वा	DriShTvaa	having seen	देखकर	पाहून
भयेन	Bhayena	with fear	भय से	भयाने
च	Cha	and	और	आणि
प्रव्यथितम्	Pra-Vyathitam	distressed	अति व्याकुल भी हो रहा है	अति व्याकुळ (होत आहे)
मनः	ManaH	mind	मन	मन
मे	Me	my	मेरा	माझे
तत्	Tat	that	इसलिये आप उस अपने	(म्हणून आपले) ते
एव	Eva	only	ही	केवळ
मे	Me	to me	मुझे	मला
दर्शय	Darshaya	show	दिखलाइये	दाखवा
देव	Deva	O God	चतुर्भुज विष्णुदेव	चतुर्भुज विष्णुरूप
रूपम्	Rupam	form	रूप को	रूप
प्रसीद	Praseeda	have mercy	आप मुझपर प्रसन्न हो जाइये	आपण माझ्यावर प्रसन्न व्हा
देवेश	Devesha	O Lord of Gods	हे देवेश !	हे देवेशा !
जगन्निवास	Jagannivaasa	O abode of the universe	हे जगन्निवास !	हे जगन्निवासा !

अन्वय :- हे देवेश ! हे जगन्निवास ! अदृष्टपूर्वम् (विश्वरूपम् त्वाम्) दृष्ट्वा (अहम्) हृषितः अस्मि, मे मनः च भयेन प्रव्यथितम् (अस्ति, अतः) हे देव ! (त्वम्) प्रसीद (च) तत् एव (पूर्वम्) रूपम् मे दर्शय ॥ ११ - ४५ ॥

English translation:-

Having witnessed what was never seen before, I am delighted, yet my mind is distressed with fear. Show me, O God, only that (familiar) form; have mercy O God of gods, O Abode of the universe.

हिन्दी अनुवाद :-

मैं पहले न देखे हुए आप को इस आश्चर्यमय रूप को देखकर हर्षित हो रहा हूँ और मेरा मन भय से अति व्याकुल भी हो रहा है, इसलिये आप उस अपने चतुर्भुज विष्णुरूप को ही मुझे दिखलाइये ! हे देवेश ! हे जगन्निवास प्रसन्न होइये ।

मराठी भाषान्तर :-

हे देवाधिदेवा ! हे जगन्निवासा ! आपले पूर्वी कधीही न पाहिलेले हे विश्वरूप पाहून, मी अतिशय आनंदित झालो आहे आणि भयाने व्याकुळही झालो आहे ; म्हणून हे देवा, आपण माझ्यावर प्रसन्न व्हा आणि मला आपले ते पहिलेच रूप (विष्णुरूप) दाखवा .

विनोबांची गीताई :-

अपूर्व पाहूनि अपार घालों परी मनीं व्याकुळता न जाय
पुन्हां बघूं दे मज तें चि रुप प्रसन्न होईं जगदीश्वरा तूं ॥ ११ - ४५ ॥

किरीटिनम् गदिनम् चक्रहस्तम् इच्छामि त्वाम् द्रष्टुम् अहम् तथा एव ।

तेन एव रूपेण चतुर्भुजेन सहस्रबाहो भव विश्वमूर्ते ॥ ११ - ४६ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
किरीटिनम्	KireeTinam	crowned	मुकुट धारण किये हुए तथा	मुकुट धारण केलेल्या
गदिनम्	Gadinam	bearing mace	गदा और	गदा (व)
चक्रहस्तम्	Chakra-hastam	with discus in hand	चक्र हाथ में लिये हुए	चक्र हातात घेतलेल्या
इच्छामि	Ichchhaami	wish / desire	चाहता हूँ	इच्छा करतो
त्वाम्	Tvaam	You	आप को	आपणास
द्रष्टुम्	DraShTum	to see	देखना	पाहण्याची
अहम्	Aham	I	मैं	मी
तथा	Tathaa	as / therefore	वैसे	त्याप्रमाणे
एव	Eva	before / only	ही	च
तेन	Tena	that	उसी	त्याच
एव	Eva	only	केवल	केवळ
रूपेण	RupeNa	by form	रूप से आप	रूपात
चतुर्भुजेन	Chaturbhujena	four-armed	चतुर्भुज से प्रकट होने की	चतुर्भुज विष्णू
सहस्रबाहो	Sahasra-baaho	O Thousand armed!	हे सहस्रबाहो !	हे सहस्रबाहो !
भव	Bhava	be	मुझपर कृपा करें	प्रकट व्हावे
विश्वमूर्ते	Visha-muurte	O Universal form!	हे विश्वस्वरूप !	हे विश्वरूपा !

अन्वय :- हे सहस्त्रबाहो विश्वमूर्ते ! अहम् त्वाम् किरीटिनम् गदिनम् (च) तथा एव चक्रहस्तम् द्रष्टुम् इच्छामि , (तस्मात्) तेन एव चतुर्भुजेन रूपेण (युक्तः) भव ॥ ११ - ४६ ॥

English translation:-

O Thousand armed, O Universal form, I desire to see You as before, crowned, bearing a mace and a discus in hand, in that earlier, familiar four-armed form.

हिन्दी अनुवाद :-

मैं वैसे ही आप को मुकुट धारण किये हुए तथा गदा और चक्र हाथ में लिये हुए देखना चाहता हूँ , इसलिये हे विश्वरूप ! हे सहस्त्रबाहो ! आप उसी चतुर्भुज रूप से प्रकट होइये ।

मराठी भाषान्तर :-

डोक्यावर मुकुट व हातात चक्र आणि गदा घेतलेल्या आपणास , मी तसेच पाहू इच्छितो . म्हणून , हजार हात असलेल्या आणि विश्व हे ज्याचे स्वरूप आहे असे आपण , त्याच चतुर्भुज रूपाने प्रकट व्हा .

विनोबांची गीताई :-

घें गदा चक्र किरीट घालीं तसें चि पाहूं तुज इच्छितों मी
अनंत बाहूंस गिळूनि पोटीं चहूं भुजांचा नट विश्व - मूर्ते ॥ ११ - ४६ ॥

श्री भगवान् उवाच ।

मया प्रसन्नेन तव अर्जुन इदम् रूपम् परम् दर्शितम् आत्मयोगात् ।

तेजोमयम् विश्वम् अनन्तम् आद्यम् यत् मे त्वत् अन्येन न दृष्टपूर्वम् ॥ ११ - ४७॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
श्री भगवान् उवाच	Shree Bhagavaan Uvaacha	The Blessed Lord said	श्री भगवान् ने कहा	श्री भगवान उत्तरले
मया	Mayaa	by Me	मैं ने	मी
प्रसन्नेन	Prasannena	by grace	अनुग्रहपूर्वक	अनुग्रह करण्यासाठी
तव	Tava	to you	तुम्हें	तुझ्यावर
अर्जुन	Arjuna	O Arjuna !	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
इदम्	Idam	this	यह	हे
रूपम्	Rupam	form	रूप	रूप
परम्	Param	supreme	परम	परम
दर्शितम्	Darshitam	has been shown	दिखलाया है	(तुला) दाखविले
आत्मयोगात्	Aatmayogaat	By My own Yoga	अपनी योगशक्ति के प्रभाव से	स्वतःच्या योगशक्तीच्या प्रभावाने
तेजोमयम्	Tejomayam	full of splendour	तेजोमय	तेजोमय
विश्वम्	Vishvam	universal	विराट्	विराट
अनन्तम्	Anantam	endless / infinite	सीमारहित	सीमारहित
आद्यम्	Aadyam	primeval	सबका आदि और	आदी
यत्	Yat	which	जिसे	जे
मे	Me	of Mine	मेरा	माझे
त्वत् - अन्येन	Tvat - Anyena	other than you	तुम्हारे सिवा	तुझ्याशिवाय दुसऱ्याने
न	Na	none	(दूसरे किसीने भी) नहीं	(इतर कुणीही) नव्हते
दृष्टपूर्वम्	DriShta-puurvam	seen before	पहले देखा था	या पूर्वी पाहिले

अन्वय :-

श्री भगवान् उवाच –हे अर्जुन ! यत् त्वत् अन्येन दृष्टपूर्वम् न , (तत्) इदम् मे तेजोमयम् विश्वम् अनन्तम् आद्यम् परम् रूपम् प्रसन्नेन मया आत्मयोगात् तव दर्शितम् ॥ ११ - ४७ ॥

English translation:-

By My grace O Arjuna, this form of Mine has been shown to you by My own Yoga – supreme, resplendent, primeval, infinite, universal form which has not been seen before by anyone else other than you.

हिन्दी अनुवाद :-

श्री भगवान् बोले , " हे अर्जुन ! अनुग्रहपूर्वक मैं ने अपनी योगशक्ति के प्रभाव से यह मेरा परम तेजोमय , सबका आदि और सीमारहित विराट् रूप तुम्हें दिखलाया है ; जिसे केवल तुम्हारे सिवा , दूसरे किसी ने भी पहले नहीं देखा है ।"

मराठी भाषान्तर :-

श्रीभगवान म्हणाले – " हे अर्जुना ! प्रसन्न झालेल्या मी , माझ्या योगसामर्थ्याने तुला हे माझे तेजोमय , समस्त , अनंत आणि आद्य असे श्रेष्ठ रूप दाखविले ; जे तुझ्याशिवाय या पूर्वी कोणीही पाहिलेले नाही ."

विनोबांची गीताई :-

प्रसन्न होऊनि रचूनि योग हें दाविलें मीं तुज विश्व - रुप
अनंत तेजोमय आद्य थोर ज़ें पाहिलें पाहिलें आज़वरी न कोणीं ॥ ११ - ४७॥

न वेद यज्ञ अध्ययनैः न दानैः न च क्रियाभिः न तपोभिः उग्रैः ।

एवम् रूपः शक्यः अहम् नृलोके द्रष्टुम् त्वत् अन्येन कुरुप्रवीर ॥ ११ - ४८॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
न	Na	not	न	(पाहता येत) नाही
वेद	Veda	Vedas	वेद	वेद
यज्ञ	Yadnya	sacrifices	और यज्ञों के	(आणि) यज्ञ
अध्ययनैः	AdhyayanaiH	by study of	अध्ययन से	(यांच्या) अभ्यासाने
न	Na	not	न	(पाहता येत) नाही
दानैः	DaanaiH	by gifts	दान से	दानांनीही
न	Na	not	न	(पाहता येत) नाही
च	Cha	cha	और	तसेच
क्रियाभिः	KriyaabhiH	By rituals	क्रियाओं से	क्रियांनी (सुद्धा)
न	Na	not	न	(पाहता येत) नाही
तपोभिः	TapobhiH	by austerities / by penances	तपों से	तपांनीही
उग्रैः	UgraiH	severe	उग्र	(आणि) उग्र
एवम्	Evam	such	इस प्रकार	अशा प्रकारे
रूपः	RupaH	form	विश्वरूपवाला	विश्वरूप असणाऱ्या
शक्यः	ShakyaH	possible	सकता हूँ	शक्य
अहम्	Aham	I	मैं	मला
नृलोके	Nriloke	in the world of men	मनुष्यलोक में	मनुष्यलोकात
द्रष्टुम्	DraShTum	to be seen	देखा जा	पाहणे
त्वत्	Tvat	(other) than you	तुम्हारे	तुझ्याशिवाय
अन्येन	Anyena	by another	सिवा दूसरे के द्वारा	दुसऱ्या कोणाचकडून
कुरुप्रवीर	Kuru-Praveera	O great hero of Kurus!	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !

अन्वय :-

हे कुरुप्रवीर ! अहम् एवम् रूपः नृलोके न वेद - यज्ञ - अध्ययनैः , न दानैः , न क्रियाभिः , न उग्रैः तपोभिः च (न) त्वत् अन्येन द्रष्टुम् शक्यः ॥ ११ - ४८ ॥

English translation:-

Neither by the study of the Vedas, nor by sacrifices, nor by gifts, not by rituals, nor by severe austerities can this form of Mine be seen in this world of men by anyone else other than you, O great hero of the Kurus.

हिन्दी अनुवाद :-

हे अर्जुन ! मनुष्यलोक में इस प्रकार विश्वरूपवाला मैं न वेद और यज्ञों के अध्ययन से , न दान से , न क्रियाओं से और न उग्र तपों से ही ; सिर्फ तुम्हारे सिवाय किसी दूसरे के द्वारा देखा जा सकता हूँ ।

मराठी भाषान्तर :-

हे कुरुश्रेष्ठा ! वेद आणि यज्ञ यांच्या अभ्यासाने , दानांनी , विधियुक्त कर्मांनी आणि उग्र तपांनी माझे हे रूप ; तुझ्याशिवाय दुसऱ्या कोणालाही ह्या जगात पाहावयास मिळणे शक्य नाही .

विनोबांची गीताई :-

घोकूनियां वेद करूनि कर्में यजूनि वा उग्र तपें तपूनि
देऊनि दानें जगतीं न शक्य तुझ्या विना दर्शन हें कुणास ॥ ११ - ४८॥

मा ते व्यथा मा च विमूढभावः दृष्ट्वा रूपम् घोरम् ईदृक् मम इदम् ।

व्यपेतभीः प्रीतमनाः पुनः त्वम् तत् एव मे रूपम् इदम् प्रपश्य ॥ ११ - ४९॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
मा	Maa	not	नहीं होनी चाहिये	होऊ नकोस
ते	Te	You	तुम्हें	तू
व्यथा	Vyathaa	fear	व्याकुलता	भयभीत
मा	Maa	not	नहीं होना चाहिये	नकोस
च	Cha	and	और	किंवा
विमूढभावः	Vimuudha-bhaavaH	bewildered state	मूढभाव भी	गोंधळून
दृष्ट्वा	DriShTvaa	having seen	देखकर	पाहून
रूपम्	Roopam	form	रूप को	रूप
घोरम्	Ghoram	terrible	विकराल	विक्राळ
ईदृक्	Iidrik	such	इस प्रकार के	अशाप्रकारचे
मम	Mama	My	मेरे	माझे
इदम्	Idam	this	इस	हे
व्यपेतभीः	VyapetabheeH	with (your) fear dispelled	भयरहित और	भयरहित
प्रीतमनाः	PreetamanaaH	with gladdened heart	प्रीतियुक्त मनवाला	प्रीतियुक्त मनाने
पुनः	PunaH	again	फिर	पुन्हा
त्वम्	Tvam	again	तुम	तू
तत्	Tat	that (former)	उस	ते
एव	Eva	even / only	केवल	च
मे	Me	My	मेरे	माझे
रूपम्	Roopam	form	इस रूप को	(शंख चक्र गदा पद्म यांनी युक्त) रूप
इदम्	Idam	this	इस	हे
प्रपश्य	Prapashya	behold	देखो	तू पहा

अन्वय :- मम इदम् ईदृक् घोरम् रूपम् दृष्ट्वा ते व्यथा मा (अस्तु), विमूढभावः च मा (अस्तु), त्वम् व्यपेतभीः प्रीतमनाः (भूत्वा) पुनः तत् एव इदम् मे रूपम् प्रपश्य ॥ ११ - ४९ ॥

English translation:-

Do not be afraid of anything, do not be in a bewildered state, after having seen this terrible form of Mine, become free from fear and with delighted at heart, you again behold this former form (as seen in this mortal world) of Mine.

हिन्दी अनुवाद :-

मेरे इस प्रकार के, इस विकराल रूप को देखकर तुम्हें व्याकुलता नहीं होनी चाहिये और मूढभाव भी नहीं होना चाहिये। तुम भयरहित और प्रीतियुक्त मनवाला होकर उसी मेरे शंख – चक्र - गदा - पद्मयुक्त चतुर्भुज रूप को फिर से देखो।

मराठी भाषान्तर :-

माझे अशा प्रकारचे हे भयंकर रूप पाहून, तू भयभीत होऊ नकोस किंवा गोंधळून जाऊ नकोस. तू भीती सोडून, प्रेमयुक्त अंतःकरणाने, तेच माझे हे चतुर्भुज रूप (शंख - चक्र - गदा - कमळ धारण केलेले) पुन्हा पहा.

विनोबांची गीताई :-

होऊं नको व्याकुळ मूढभावें पाहुनि हें रुप भयाण माझें
प्रसन्न - चित्तें भय सोडुनी तूं पहा पुन्हां तें प्रिय पूर्व - रुप ॥ ११ - ४९॥

सञ्जय उवाच ।

इति अर्जुनम् वासुदेवः तथा उक्-त्वा स्वकम् रूपम् दर्शयामास भूयः ।

आश्वासयामास च भीतम् एनम् भूत्वा पुनः सौम्यवपुः महात्मा ॥ ११-५० ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
सञ्जय	Sanjaya	Sanjaya	संजय ने	संजय
उवाच	Uvaacha	said	कहा	म्हणाला
इति	Iti	thus	इस प्रकार	असे
अर्जुनम्	Arjunam	to Arjuna	अर्जुन के प्रति	अर्जुनाला
वासुदेवः	VaasudevaH	Vasudeva	वासुदेव भगवान् ने	वासुदेव भगवंतांनी
तथा	Tathaa	so	वैसे ही	तसेच
उक् - त्वा	Uk-tvaa	having spoken	कहकर	सांगून
स्वकम्	Svakam	his own	अपने चतुर्भुज	आपले
रूपम्	Roopam	form	रूप को	(चतुर्भुज) रूप
दर्शयामास	Darsha-yaamaasa	showed	दिखलाया	दाखविले
भूयः	BhuyaH	again	फिर	पुन्हा
आश्वासयामास	Aashvaaasa-yaamaasa	pacified / consoled	धीरज दिया	धीर दिला
च	Cha	and	और	आणि
भीतम्	Bheetam	who was terrified	भयभीत अर्जुन को	भयभीत (अर्जुनाला)
एनम्	Enam	him	इस	या
भूत्वा	Bhuutvaa	having become	होकर	होऊन
पुनः	PunaH	again	फिर	पुन्हा
सौम्यवपुः	SaumyavapuH	of gentle form	सौम्यमूर्ति	सौम्यमूर्ती
महात्मा	Mahaatmaa	the great souled one	महात्मा श्रीकृष्ण ने	महात्मा श्रीकृष्णांनी

अन्वय :-

सञ्जय उवाच - महात्मा वासुदेवः इति तथा अर्जुनम् उक्- त्वा भूयः स्वकम् रूपम् दर्शयामास । पुनः च सौम्यवपुः भूत्वा , भीतम् एनम् आश्वासयामास ॥ ११ - ५० ॥

English translation:-

Sanjaya said, “Having spoken thus to Arjuna, Vasudeva showed again His own form; and the great souled one assuming His gentle form consoled him who was terrified (Arjuna) .”

हिन्दी अनुवाद :-

संजय बोले , “ वासुदेव भगवान् ने अर्जुन के प्रति इस प्रकार कहकर फिर वैसे ही अपने चतुर्भुज रूप को दिखलाया और फिर महात्मा श्रीकृष्ण ने सौम्यमूर्ति होकर इस भयभीत अर्जुन को धीरज दिया ।“

मराठी भाषान्तर :-

संजय म्हणाला , “ ह्याप्रमाणे बोलून , श्रीकृष्णाने अर्जुनाला परत आपले रूप दाखविले आणि पुनः सौम्य शरीर धारण करून भयभीत झालेल्या अर्जुनाला , त्या महात्म्याने धीर दिला . “

विनोबांची गीताई :-

बोलूनि ऐसें मग वासुदेवें पार्थास तें दाखविलें स्वरुप

भ्याल्यास आश्वासन द्यावया तो झाला पुन्हां सौम्य उदार देव ॥ ११ - ५० ॥

अर्जुन उवाच ।

दृष्ट्वा इदम् मानुषम् रूपम् तव सौम्यम् जनार्दन ।

इदानीम् अस्मि संवृत्तः सचेताः प्रकृतिम् गतः ॥ ११ - ५१ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अर्जुन	Arjuna	Arjuna	अर्जुन ने	अर्जुन
उवाच	Uvaacha	said	कहा	म्हणाला
दृष्ट्वा	DriShTvaa	having seen	देखकर	पाहून
इदम्	Idam	this	इस	हे
मानुषम्	MaanuSham	human	मनुष्य	मनुष्य
रूपम्	Roopam	form	रूप को	रूप
तव	Tava	Your	आप के	आपले
सौम्यम्	Saumyam	gentle	अतिशान्त	अतिशांत
जनार्दन	Janaardana	O Krishna!	हे जनार्दन !	हे जनार्दना !
इदानीम्	Idaaneem	now	अब	आता
अस्मि	Asmi	I am	मैं हूँ	मी
संवृत्तः	SaMvrittaH	composed	हो गया	झालो आहे
सचेताः	SachetaaH	with mind	स्थिर चित्त	स्थिरचित्त
प्रकृतिम्	Prakrutim	to nature	और अपनी स्वाभाविक स्थिति को	(आणि आपल्या) स्वाभाविक स्थितीप्रत
गतः	GataH	restored	प्राप्त हो गया हूँ	प्राप्त झालो आहे

अन्वय :- अर्जुन उवाच – हे जनार्दन ! तव इदम् मानुषम् सौम्यम् रूपम् दृष्ट्वा (अहम्) इदानीम् सचेताः संवृत्तः प्रकृतिम् गतः अस्मि ॥ ११ - ५१ ॥

English translation:-

Having seen this Your gentle human form, O Krishna, I have regained my composure of my mind and I am now restored to my own natural state.

हिन्दी अनुवाद :-

अर्जुन बोले, " हे जनार्दन ! आप के इस अति शान्त मनुष्यरूप को देखकर, अब मैं स्थिरचित्त हो गया हूँ और अपनी स्वाभाविक स्थिति को प्राप्त हो गया हूँ।"

मराठी भाषान्तर :-

अर्जुन म्हणाला, " हे जनार्दना ! आपले हे अतिशय शांत मनुष्यरूप पाहून आता माझे मन स्थिर झाले असून, मी माझ्या मूळ स्थितीला प्राप्त झालो आहे."

विनोबांची गीताई :-

पाहूनि हें तुझें सौम्य मानुषी रुप माधव
झालों प्रसन्न मी आतां आलों भानावरी पुन्हां ॥ ११ - ५१ ॥

श्री भगवान् उवाच।

सुदुर्दर्शम् इदम् रूपम् दृष्टवान् असि यत् मम ।

देवाः अपि अस्य रूपस्य नित्यम् दर्शनकाङ्क्षिणः ॥ ११ - ५२॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
श्री भगवान्	Shree Bhagavaan	The Blessed Lord	श्री भगवान् ने	श्री भगवान
उवाच	Uvaacha	Said	कहा	म्हणाले
सुदुर्दर्शम्	Su-Dur-Darsham	very hard to see	सुदुर्दर्श है अर्थात् इस के दर्शन बड़े ही दुर्लभ है	पाहण्यास फार दुर्लभ (आहे)
इदम्	Idam	this	यह	हे
रूपम्	Roopam	form	चतुर्भुज रूप	चतुर्भुज रुप
दृष्टवान् असि	DriShTavaan Asi	you have seen	तुम ने देखा है	तू पाहिले आहेस
यत्	Yat	which	जो	जे
मम	Mama	My	मेरा	माझे
देवाः	DevaaH	gods	देवता	देवता
अपि	Api	also / even	भी	सुद्धा
अस्य	Asya	(of) this	इस	या
रूपस्य	Roopam	of form	रूप के	रूपाच्या
नित्यम्	Nityam	ever	सदा	सतत
दर्शनकाङ्क्षिणः	Darshan-KaankshiNaH	(are) desirous to behold	दर्शन की आकाङ्क्षा करते रहते हैं	दर्शनाची आकांक्षा करीत असतात

अन्वय :-

श्री भगवान् उवाच - यत् मम सुदुर्दर्शम् इदम् रूपम् दृष्टवान् असि, अस्य रूपस्य देवाः अपि नित्यम् दर्शनकाङ्क्षिणः (सन्ति) ॥ ११-५२॥

English translation:-

The Blessed Lord said, "Very hard to see in this form of Mine which you have seen; even the gods ever long to behold this form...".

हिन्दी अनुवाद :-

श्री भगवान् बोले, " मेरा जो चतुर्भुज रूप तुम ने देखा है इसके दर्शन बडे ही दुर्लभ हैं। देवता भी, सदा इस रूपके दर्शन की आकांक्षा करते रहते हैं।"

मराठी भाषान्तर :-

श्रीभगवान म्हणाले, " माझे जे चतुर्भुज रूप तू पाहिलेस, ते पाहावयास मिळणे अतिशय दुर्लभ आहे. देवसुद्धा नेहमी या रूपाच्या दर्शनाची इच्छा करीत असतात.

विनोबांची गीताई :-

हें पाहिलेंस माझें अति दुर्लभ दर्शन
आशा चि राखुनी ज्याची झुरती नित्य देव हि ॥ ११-५२॥

न अहम् वेदैः न तपसा न दानेन न च इज्यया ।

शक्यः एवंविधः द्रष्टुम् दृष्टवान् असि माम् यथा ॥ ११ - ५३॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
न	Na	not	न	नाही
अहम्	Aham	I	मैं	माझे
वेदैः	VedaiH	by the Vedas	वेदों से	वेदांच्या अभ्यासाने
न	Na	Na	न	नाही
तपसा	Tapasaa	by austerity / penance	तप से	तपस्येमुळे
न	Na	not	न	नाही
दानेन	Daanena	by gift	दान से	दानाने
न	Na	not	न	नाही
च	Cha	and	और	आणि
इज्यया	Ijyayaa	by sacrifice	यज्ञ से ही	यज्ञाने
शक्यः	ShakyaH	(am) possible	सकता हूँ	(दर्शन होणे) शक्य
एवंविधः	Evam-vidhaH	like this / of this kind	इस प्रकार चतुर्भुजवाला	अशा प्रकारच्या (चतुर्भुज असणाऱ्या)
द्रष्टुम्	DraShTum	(to) be seen	देखा जा	पाहणे शक्य
दृष्टवान् असि	DriShTavaan Asi	you have seen	देखा है	पाहिले आहेस
माम्	Maam	Me	मुझ को	मला
यथा	Yathaa	as	जिस प्रकार तुम ने	ज्याप्रकारे

अन्वय :-

(त्वम्) यथा माम् दृष्टवान् असि, एवंविधः अहम् न वेदैः, न तपसा, न दानेन, न च इज्यया द्रष्टुम् शक्यः (अस्मि) ॥ ११ - ५३॥

English translation:-

Neither by the study of Vedas, nor by austerity, nor by gift, nor by sacrifice can I be seen in this form as you have seen Me.

हिन्दी अनुवाद :-

जिस प्रकार तुम ने मुझ को देखा है, इस प्रकार चतुर्भुज रूपवाला मैं; न वेदों से, न तप से, न दान से और न यज्ञ से भी देखा जा सकता हूँ।

मराठी भाषान्तर :-

तू जसे मला पाहिलेस तशा माझ्या चतुर्भुज रूपाचे दर्शन वेदांनी, तपाने, दानाने आणि यज्ञानेही मिळणे शक्य नाही.

विनोबांची गीताई :-

यज्ञ - दान - तपें केलीं वेदाभ्यास हि साधिला
तरी दर्शन हें माझें न लाभे लाभलें तुज ॥ ११ - ५३॥

भक्-त्या तु अनन्यया शक्यः अहम् एवंविधः अर्जुन ।

ज्ञातुम् द्रष्टुम् च तत्त्वेन प्रवेष्टुम् च परंतप ॥ ११ - ५४ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
भक् - त्या	Bhak-tyaa	by devotion	भक्ति के द्वारा	भक्तीने
तु	Tu	but	परन्तु	परंतु
अनन्यया	Ananyayaa	single-minded	अनन्य	एकनिष्ठ
शक्यः	ShakyaH	(am) possible	शक्य हूँ	शक्य (आहे)
अहम्	Aham	I	मैं	मी
एवंविधः	EvamvidhaH	of this kind	इस प्रकार चतुर्भुज रूपवाला	अशा प्रकारचा (चतुर्भुजधारी)
अर्जुन	Arjuna	O Arjuna!	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
ज्ञातुम्	Dnyaatum	Dnyaatum	तत्त्व से	जाणणे
द्रष्टुम्	DraShTum	DraShTum	प्रत्यक्ष देखने के लिये	(प्रत्यक्ष) पाहणे
च	Cha	Cha	तथा	तथा
तत्त्वेन	Tatvena	Tatvena	जान के लिये	तत्त्वतः
प्रवेष्टुम्	PraveShTum	PraveShTum	प्रवेश करने के लिये अर्थात् एकीभाव से प्राप्त होने के लिये	प्रवेश करणे (माझ्याशी एकरूप होणे)
च	Cha	Cha	भी	आणि
परंतप	Paramtapa	O Arjuna!	हे परन्तप !	हे शत्रूला तापदायक अर्जुना !

अन्वय :-

हे परंतप अर्जुन! तु अहम् एवंविधः तत्त्वेन ज्ञातुम् , द्रष्टुम् , प्रवेष्टुम् च अनन्यया भक्- त्या (एव) शक्यः (अस्मि) ॥ ११ - ५४ ॥

English translation:-

O scorcher of foes, but by single minded devotion I may be seen like this form, be known and seen in reality and also entered into.

हिन्दी अनुवाद :-

परन्तु हे अर्जुन ! अनन्यभक्ति के द्वारा इस चतुर्भुज रूपवाला मैं प्रत्यक्ष देखने के लिये , तत्व से जानने के लिये तथा प्रवेश करने के लिये अर्थात् एकीभाव से प्राप्त होने के लिये भी शक्य हूँ ।

मराठी भाषान्तर :-

परंतु हे महापराक्रमी अर्जुना ! केवळ अनन्य भक्तीनेच या प्रकारच्या चतुर्भुजधारी मला प्रत्यक्ष पाहणे , तत्त्वतः जाणणे तसेच माझ्यात प्रवेश करणे अर्थात माझ्याशी एकरूप होणे शक्य आहे .

विनोबांची गीताई :-

लाभें अनन्य भक्तीनें माझें हें ज्ञान - दर्शन
दर्शनें होय माझ्यांत प्रवेश मग तत्वतां ॥ ११ - ५४॥

मत्कर्मकृत् मत्परमः मद्भक्तः सङ्गवर्जितः ।

निर्वैरः सर्व भूतेषु यः सः माम् एति पाण्डव ॥ ११ - ५५ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
मत्कर्मकृत्	Matkarma-Krit	(who) performs actions for me	मेरे ही लिये सम्पूर्ण कर्तव्य कर्मों को करनेवाला है	माझ्यासाठी कर्तव्य कर्मे करणारा
मत्परमः	MatparamaH	Looks upon Me as the Supreme	मेरे परायण है	मत्परायण
मद्भक्तः	Mad-bhaktaH	is devoted to Me	मेरा भक्त है	माझा भक्त
सङ्गवर्जितः	Sanga-varjitaH	freed from attachment	आसक्तिरहित है	आसक्तिरहित
निर्वैरः	NirvairaH	without enmity	वैरभाव से रहित है	वैरभावरहित
सर्व	Sarva	all	और सम्पूर्ण	संपूर्ण
भूतेषु	BhuuteShu	with beings	भूतप्राणियों में	प्राणिमात्रांच्या ठिकाणी
यः	YaH	who	जो पुरुष केवल	जो (पुरुष केवळ)
सः	SaH	he	वह अनन्य भक्तियुक्त पुरुष	तो (अनन्य भक्तीने युक्त असा पुरुष)
माम्	Maam	To Me	मुझ को ही	मलाच
एति	Eti	goes	प्राप्त होता है	प्राप्त करून घेतो
पाण्डव	PaaNDava	O Arjuna!	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !

अन्वय :-

हे पाण्डव ! यः मत्कर्मकृत् , मत्परमः , सङ्गवर्जितः सर्व - भूतेषु निर्वैरः मद्भक्तः (अस्ति) सः माम् एति ॥ ११ - ५५ ॥

English translation:-

O Arjuna, he who performs actions for Me, who looks upon Me as the Supreme, who is devoted to Me, who is free from attachment, who is without hatred for any being, he reaches Me.

हिन्दी अनुवाद :-

हे अर्जुन ! जो पुरुष केवल मेरे लिये संपूर्ण कर्तव्यकर्मों को करनेवाला है , मेरे परायण है , मेरा भक्त है , आसक्तिरहित है और संपूर्ण भूतप्राणियों में वैरभाव से रहित है ; वह अनन्यभक्तियुक्त पुरुष मुझ को ही प्राप्त होता है ।

मराठी भाषान्तर :-

हे अर्जुना ! जो माझ्यासाठी कर्म करतो , जो मला परमश्रेष्ठ मानतो , जो भोगांपासून अलिप्त राहतो आणि सर्व प्राणिमात्रांविषयी वैरभाव न बाळगता , उलट प्रेमच करतो तो माझा भक्त मलाच येऊन मिळतो .

विनोबांची गीताई :-

माझ्या कर्मांत ज़ो मग्न भक्तीनें भरला असे
जगीं निःसंग निर्वैर मिळे तो मज़ मत्पर ॥ ११ - ५५॥

ॐ तत् सत् इति श्रीमद् भगवद् गीतासु उपनिषत्सु ब्रह्मविद्यायाम् योगशास्त्रे

श्रीकृष्णार्जुनसंवादे विश्वरुपदर्शनयोगः नाम एकादशोऽध्यायः ॥

हरिः ॐ तत् सत् । हरिः ॐ तत् सत् । हरिः ॐ तत् सत् ।

Om that is real. Thus, in the Upanishad of the glorious Bhagwad Geeta, the knowledge of Brahman, the Supreme, the science of Yoga and the dialogue between Shri Krishna and Arjuna this is the eleventh discourse designated as "the Yoga of the Vision of the Cosmic Form".

अकराव्याव्या अध्यायाचा एका श्लोकात मथितार्थ

पार्थ विनवि माधवासि विश्वरुप भेटवा ।

म्हणुनिया हरी धरी विकटरुप तेधवां ॥

मांडिला अनर्थ घोर पंडुकुमार घाबरे ।

म्हणे पुनश्च दाखवा विभो स्वरुप गोजिरें ॥ ११॥

गीता सुगीता कर्तव्या किम् अन्यैः शास्त्रविस्तरैः ।

या स्वयम् पद्मनाभस्य मुखपद्माद् विनिःसृता ॥

गीता सुगीता करण्याजोगी आहे म्हणजेच गीता उत्तम प्रकारे वाचून तिचा अर्थ आणि भाव अन्तःकरणात साठवणे हे कर्तव्य आहे . स्वतः पद्मनाभ भगवान् श्रीविष्णूंच्या मुखकमलातून गीता प्रगट झाली आहे . मग इतर शास्त्रांच्या फाफटपसाऱ्याची जरूरच काय ?

- श्री महर्षी व्यास

विनोबांची गीताई :-

गीताई माउली माझी तिचा मी बाळ नेणता ।

पडतां रडतां घेई उचलूनि कडेवरी ॥